मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 149
गुरुवार, 11 दिसम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

वोट चोरी का फेक नैरेटिव गढ़ने की कोशिश कर रहा विपक्षः अमित शाह

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी समेत विपक्षी सदस्यों पर जमकर निशाना साधा और कहा कि कुछ नेता विभिन्न राज्यों में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) को लेकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लेकर महीनों से झूठ फैलाया जा रहा है और सभी को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी भी एसआईआर को लेकर जनता को गुमराह करने के लिए 'वोट चोरी' का नारा गढ़ रहे हैं।

शाह ने कहा कि दो दिनों तक हमने विपक्ष से कहा कि इस पर दो सत्रों के बाद चर्चा की जानी चाहिए। लेकिन वे नहीं माने। हम मान गए... हमने 'ना' क्यों कहा? 'ना' कहने के दो कारण थे। पहला, वे(एसआईआर) पर चर्चा करना चाहते थे। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि इस सदन में एसआईआर पर चर्चा नहीं हो सकती। एसआईआर आयोग की जिम्मेदारी है। भारत का चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयोग सरकार के अधीन काम नहीं करते। अगर चर्चा हुई और सवाल उठाए गए, तो उनका जवाब कौन देगा? जब उन्होंने कहा कि वे चुनावी सुधारों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, तो हम तुरंत सहमत हो गए।

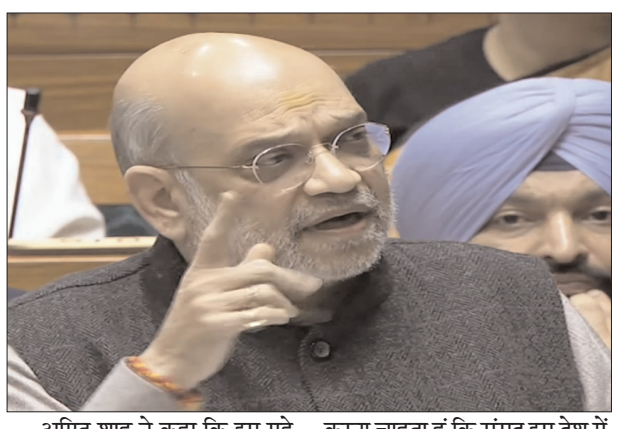

अमित शाह ने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा को लेकर पहले दो दिन तक गतिरोध बना रहा। इससे जनता को गलत संदेश गया कि हम इस पर चर्चा नहीं करना चाहते। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि संसद इस देश में चचाओं की सबसे बड़ी पंचायत है। भाजपा-एनडीए कभी भी चचाओं से पीछे नहीं हटती। विषय चाहे जो भी हो, हम संसद के नियमों के अनुसार चर्चा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि चार महीनों तक एसआईआर के बारे में एकतरफा झूठ फैलाया गया। देश की जनता को गुमराह करने के प्रयास किए गए। शाह ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब चुनाव जीतते हैं तो मतदाता सूची अच्छी है और जब हारते हैं तो मतदाता सूची खराब है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पहला एसआईआर (चुनाव सर्वेक्षण) 1952 में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में किया गया था और फिर कहा कि नेहरू और इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकारों सहित कांग्रेस सरकारों के दौरान कई एसआईआर हुए।

निर्वाचन आयोग को वोट चोरी करने का हथियार बना रही है भाजपा : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) निर्वाचन आयोग को वोट चोरी करने का हथियार बना रही है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत की जनता ये तीन बहुत जरूरी और सीधे सवाल पूछ रही है।

प्रधान न्यायाधीश को निर्वाचन आयोग से संबंधित चयन समिति से क्यों हटाया? 2024 चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग को लगभग पूरी कानूनी सुरक्षा क्यों दी? सीसीटीवी फुटेज 45 दिन में नष्ट करने की इतनी जल्दबाजी क्यों?

उन्होंने आरोप लगाया कि जवाब एक ही है कि निर्वाचन आयोग को वोट चोरी करने का औजार बनाया जा रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया था कि भारतीय जनता पार्टी वोट चोरी के कृत्य को अंजाम देकर आइडिया ऑफ इंडिया (भारत की अवधारणा) नष्ट कर रही है।

उन्होंने लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान 2023 के निर्वाचन कानून का उल्लेख करते हुए चेतावनी भरे लहजे में कहा था कि कांग्रेस की सरकार बनने पर इस कानून में पूर्वव्यापी प्रभाव से संशोधन किया जाएगा तथा चुनाव आयुक्तों को कठघरे में लिया जाएगा। उनका यह भी कहना था कि 2023 के इस कानून को बदलने की जरूरत है क्योंकि यह निर्वाचन आयुक्तों को यह ताकत देता है कि वे जो चाहें करें। उन्होंने कहा था कि इसकी चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर रखा गया है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा-शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 के तहत तीन सदस्यीय चयन समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और एक कैबिनेट मंत्री शामिल होते हैं।

दिल्ली के 3 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल, बच्चों की छुट्टी कराकर जांच में जुटीं टीमें

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर। राजधानी में दो स्कूलों को दिन में पहले बम से उड़ाने की धमकियाँ मिलने के बाद, बुधवार को संस्कृति स्कूल को भी इसी तरह का एक धमकी भरा ईमेल मिला, जिसमें खालिस्तान आंदोलन का जिक्र था। संदेश में लिखा था, आज दोपहर 12:05 बजे बम धमाका होगा? झूठी पुलिस मुकाबला करके पंजाब में खालिस्तान जनमत संग्रह करवा दें; खालिस्तान आंदोलन को दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र तक ले आएं। अधिकारी इस धमकी को गंभीरता से ले रहे हैं और स्कूलों को छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की सलाह दी है।

आज सुबह, स्कूलों ने एहतियात के तौर पर अभिभावकों को अपने बच्चों को लेने के लिए तुरंत एक सूचना जारी की। सूचना में छात्रों

और अभिभावकों के बीच घबराहट पैदा किए बिना स्थिति पर कड़ी निगरानी रखने और उसे संभालने के लिए छात्रों को चरणबद्ध तरीके से स्कूल भेजने की प्रक्रिया बताई गई। द इंडियन स्कूल द्वारा जारी नोटिस में लिखा था, प्रिय अभिभावकगण, स्कूल को ईमेल के माध्यम से बम की धमकी मिली है। एहतियात के तौर पर, स्कूल बच्चों को छुट्टी दे रहा है। आपसे अनुरोध है कि कृपया नीचे दिए गए समय के अनुसार अपने बच्चे को लेने आएं: नर्सरी से कक्षा 2: सुबह 9:30 बजे, कक्षा 3 से 5: सुबह 9:45 बजे, कक्षा 6 से 8: सुबह 9:55 बजे, कक्षा 9 और उससे ऊपर: सुबह 10:15 बजे।

इसी समय, नई दिल्ली स्थित अहल्कोन इंटरनेशनल स्कूल को भी बम की धमकी मिली। स्कूल ने भी अभिभावकों को इसी तरह का एक नोटिस जारी किया, जिसमें उन्हें छात्रों को सुरक्षित और समय पर ले जाने के लिए वैन चालकों के साथ समन्वय करने की सलाह दी गई। नोटिस में कहा गया कि प्रिय अभिभावक, कृपया ध्यान दें कि आज सुबह प्राप्त एक ईमेल धमकी के कारण, हम अपने छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, सभी छात्रों (फुटबोर्ड/बस/वैन) के लिए सुबह 11:30 बजे जल्दी स्कूल छोड़ने की व्यवस्था कर रहे हैं।

डिजिटल युग में सुरक्षा का संकल्प : डीजीपी ने दी चेतावनी, वाराणसी पुलिस ने बढ़ाया साइबर जागरूकता अभियान

लोभ, लापरवाही और डिजिटल लत से बढ़ रहा साइबर खतरा; 1930 की गोल्डन आवर रिपोर्टिंग ही सबसे बड़ा हथियार

सुरेश गांधी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक ने बुधवार को वर्चुअल संबोधन के दौरान साइबर सुरक्षा पर बढ़ते खतरों को लेकर सावधान किया। उन्होंने बताया कि कोविड के बाद से लोगों की डिजिटल निर्भरता, फाइनेंसियल ट्रांजेक्शन, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग और इंटरनेट उपयोग, अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है। भारत में डेटा सस्ता होने के कारण उसका उपयोग विकसित देशों की तुलना में 70 गुना अधिक है, लेकिन यही सुविधा साइबर अपराधियों के लिए बड़ा अवसर बन चुकी है।

डीजीपी ने स्पष्ट कहा कि लोभ, लापरवाही, डिजिटल लत और मनोवैज्ञानिक भय (डिजिटल अरेस्ट) साइबर अपराध का शिकार बनने के चार प्रमुख कारण हैं। उन्होंने ह्लडिजिटल अरेस्टह्व जैसे नए साइबर फ्रॉड से सावधान करते हुए बताया कि किसी भी भारतीय कानून में ऐसी कोई प्रक्रिया ही नहीं है। ऐसे कॉल, वीडियो कॉल या संदेश पूरी तरह धोखाधड़ी हैं। उन्होंने साइबर हेल्पलाइन 1930 के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि साइबर अपराध होने पर ह्यगोल्डन आवरह्व के अंदर सटीक सूचना देना बहुत जरूरी है। इसी तेज प्रतिक्रिया के कारण पिछले तीन महीनों में 130 करोड़ रुपये की रकम पीड़ितों को लौटाई जा सकी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में साइबर थाने तथा 1576 थानों पर साइबर हेल्प डेस्क सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। डीजीपी ने अपील की कि ह्लआज का सहभागी आगे 100 लोगों को जागरूक करे, क्योंकि जागरूकता ही साइबर अपराध के खिलाफ सबसे प्रभावी हथियार है।कार्यशाला में पुलिस आयुक्त वाराणसी मोहित अग्रवाल ने बताया कि कमिश्नरेट ने साइबर अपराध के खिलाफ लगातार अभियान चलाया है। इसके तहत :

5 फर्जी कॉल सेंटरों पर कार्रवाई, 75 साइबर अपराधी गिरफ्तार1400 संदिग्ध मोबाइल नंबर ब्लॉक पीड़ितों के 7.5 करोड़ रुपये वापस कराए गए फर्जी सिम बेचने वाले 8 लोगों को जेल भेजा गया 600 से अधिक साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित आसान भाषा में तैयार ह्यसाइबर ज्ञान पुस्तिकाह्व की 50,000 प्रतियां जनता में वितरित पुलिस आयुक्त ने कहा कि साइबर अपराध रोकने में जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण है, और वाराणसी पुलिस इस दिशा में व्यापक अभियान चला रही है।

105वां दीक्षांत : बीएचयू में ज्ञान, गौरव, मेधा और नई उड़ान का महोत्सव

13,650 उपाधियां व 554 पदक से सम्मानित होंगे मेधावी

वाराणसी। एशिया के सबसे बड़े आवासीय विश्वविद्यालय काशी हिंदू विश्वविद्यालय 12 दिसंबर को अपना ऐतिहासिक 105वां दीक्षांत समारोह भव्यता और गरिमा के साथ मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। देश - विदेश में अपनी शिक्षण परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के लिए पहचाने जाने वाले इस केंद्रीय विश्वविद्यालय में इस बार भी हजारों विद्यार्थियों के जीवन में एक सुनहरी याद बनकर दर्ज होने जा रहा है। इस वर्ष कुल 13,650 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएँगी। जबकि 555 मेधावी छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेडल और सम्मान से नवाजा जाएगा। मुख्य समारोह स्वतंत्रता भवन में सुबह 11 बजे शुरू होगा, जिसके लिए तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

बुधवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि मुख्य समारोह में 29 मेधावी विद्यार्थियों को 2 चांसलर मेडल, 2 स्वर्गीय महाराजा

विभूति नारायण सिंह स्वर्ण पदक, तथा 29 बीएचयू पदक प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि दीक्षांत केवल औपचारिकता नहीं, जीवन की नई यात्रा का प्रारंभ है। कुलपति ने बताया कि बीएचयू विद्यार्थियों को केवल ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि उन्हें चरित्रवान, संवेदनशील और नैतिक मूल्यों से युक्त नागरिक भी बनाता है। उन्होंने सभी छात्रों से पुराछात्र पोर्टल से जुड़कर विश्वविद्यालय परिवार के साथ संबंध बनाए रखने का आग्रह किया। कुलपति ने बताया कि यह समारोह विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए ह्लसमर्पण का पर्वह्व है, एक ऐसा क्षण जब सालभर की कठोर मेहनत और संघर्ष, सफलता और उपलब्धियों की रोशनी में बदल जाते हैं।

इस बार दीक्षांत समारोह की शोभा बढ़ाएंगे डॉ. विजय कुमार सारस्वत, सदस्य, नीति आयोग, जेएनयू के कुलाधिपति और देश के प्रतिष्ठित रक्षा वैज्ञानिक. डॉ. सारस्वत : भारत के स्वदेशी मिसाइल कार्यक्रम, बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम, और कई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी मिशनों के प्रमुख मार्गदर्शक रहे हैं।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करे: 9199355950

भाई की हत्या के दोषी व्यक्ति, उसकी पत्नी और बेटे को उम्रकैद

बलिया। बलिया की एक स्थानीय न्यायालय ने जमीन के विवाद को लेकर एक व्यक्ति की गैर इरादतन हत्या के चार साल पुराने मामले में मृतक के सगे भाई और उसकी पत्नी तथा बेटे को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी पी. एन. स्वामी ने बुधवार को बताया कि जिले के गड़वार थाना क्षेत्र के रतसड़ खुर्द नामक गांव में गत 19 जुलाई 2021 की रात छद्दू वर्मा नामक व्यक्ति की जमीन के विवाद को लेकर उसके सगे भाई किशुन वर्मा, उसकी पत्नी उषा तथा किशुन के पुत्र अमृत एवं अमित ने लाठी-डंडे और ईंट से प्रहार करके हत्या कर दी थी।

वंदेमातरमः मातृभूमि के प्रति समर्पण और स्वतंत्रता का आदर्श मंत्र

वंदेमातरम गीत पर लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'वंदे मातरम' गीत की गूंज ने न सिर्फ अंग्रेजों की नींद उड़ा दी थी बल्कि पूरे भारत में उत्साह का ऐसा माहौल तैयार किया था जो न सिर्फ स्वतंत्रता का मंत्र बना बल्कि आजाद भारत के लिए भी विजन बनकर सामने आया। यह गीत आजादी का उद्गार बन गया था और हर देशवासी इस गीत से प्रेरित होकर अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ रहा था। इस गीत से देश में बने नये माहौल को देखकर अंग्रेज बौखला गये थे इसलिए उन्होंने इस गीत पर प्रतिबंध लगा दिया और इसे गाने को अपराध मानकर लोगों पर जुल्म ढहाने शुरू कर दिए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'वंदे मातरम' पर चर्चा में कोई पक्ष और प्रतिपक्ष नहीं है क्योंकि इसी गीत से मिली प्रेरणा के कारण हम सब यहां बैठे हैं और यह हम सबके लिए पावन पर्व है।

वंदे मातरम को 1950 में भारत के संविधान सभा द्वारा भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया गया। वंदे मातरम की रचना शुरू में स्वतंत्र रूप से की गई थी और बाद में इसे बंकिम चंद्र चटर्जी के 1882 में प्रकाशित उपन्यास आनंदमठ में शामिल किया गया। इसे पहली बार रवींद्रनाथ टैगोर ने 1896 में कोलकाता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में गाया था। एक राजनीतिक नारे के रूप में वंदे मातरम का पहली बार प्रयोग 7 अगस्त 1905 को हुआ था। इस वर्ष, 7 नवंबर 2025 को भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वीं वर्षगांठ थी, जिसका अनुवाद हैं, "माँ आपको नमन करता हूं, है। सदन में इस पर चर्चा हुई। जिस पर सरकार एवं विपक्षियों ने अपनी अपनी राय रखी। वंदेमातरम ने स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निर्माताओं की अनगिनत पीढ़ियों को प्रेरित किया है, जो भारत की राष्ट्रीय पहचान और सामूहिक भावना के स्थायी प्रतीक के रूप में खड़ा है। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित, वंदे मातरम पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में 7 नवंबर 1875 को प्रकाशित हुआ था। बाद में, बंकिम चंद्र चटर्जी ने अपने अमर उपन्यास आनंदमठ में भजन को शामिल किया, जो 1882 में प्रकाशित हुआ था। इसे रवींद्रनाथ टैगोर ने संगीतबद्ध किया था। यह राष्ट्र की सभ्यता, राजनीतिक और सांस्कृतिक चेतना का एक अभिन्न अंग बन गया है। इस मील के पत्थर को मनाने का अवसर एकता, बलिदान और भक्ति के कालातीत संदेश की पुष्टि करने का अवसर प्रदान करता है। राज्यसभा बुलेटिन में वंदे मातरम को भी जय हिंद और दूसरे शब्दों के साथ शामिल किया गया है।

इस सब के बीच ममता बनर्जी का भी इस मुद्दे पर मुखर हो जाना, वंदे मातरम के बंगाल कनेक्शन की तरफ खास इशारे कर रहा है। संसद में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर चर्चा हुई। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इस विषय पर अपनी राय रखी। वंदे मातरम पर यह बहस केवल एक रस्म नहीं है बल्कि यह ऐसे समय पर हो रही है जब इस गीत को लेकर राजनीति गरम है। नवंबर महीने में इस गीत के 150 साल पूरे होने पर पीएम मोदी ने कहा था कि कांग्रेस ने 1937 के अधिवेशन में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के कुछ जरूरी हिस्से हटा दिए। कांग्रेस का यह कदम विभाजन के बीज बोने जैसा था। पीएम मोदी का आरोप था कि राष्ट्रगीत को टुकड़ों में बांटकर इसकी मूल भावना कमजोर कर दी गई है। सबसे पहले वंदे मातरम की रचना की बात करें तो बंकिम चंद्र चटर्जी ने इस राष्ट्रगीत की रचना की थी। इसे पहली बार सात नवंबर 1875 को साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में प्रकाशित किया गया था। उस दिन से लेकर आज तक यह गीत करोड़ों देशवासियों के हृदय में देशभक्ति को अलख जगा रहा है। मातृभूमि की आराधना के प्रतीक इस गीत को सुनते ही ब्रिटिश अफसरों के कान खड़े हो जाते। अंग्रेजों द्वारा वंदे मातरम गीत को गाने या छापने पर भी बैन लगा दिया गया था। आगे चलकर यह छह छंदों वाला गीत मूल रूप से बंकिम चंद्र चटर्जी के उपन्यास आनंदमठ का हिस्सा बना जो 1882 में प्रकाशित हुआ। इस उपन्यास में सन्यासी विद्रोह की कहानी के माध्यम से बंकिम चंद्र ने भारत को मां दुर्गा के रूप में चित्रित किया इसमें उन्हें सुजलाम, सुफलाम, मलयजशीतलाम...कहा गया। यह गीत गुलामी की जंजीरों में जकड़े भारत को समृद्धि और शक्ति का सपना दिखाता था। 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में इस गीत को एक नई पहचान मिली। रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे संगीतमय रूप दिया और इसे कलकत्ता के अधिवेशन में गाया। संगीतमय प्रस्तुति ने इस गीत को अमर कर दिया। यह गीत जनमानस में तेजी से लोकप्रिय होने लगा। हर तरफ वंदे मातरम की गूंज सुनाई देने लगी। तब ब्रिटिश राज ने इसे अपनी सरकार के खिलाफ खतरनाक मान लिया। उसके बाद 1905 में बंगाल विभाजन के दौरान स्वदेशी आंदोलन में यह नारा बन गया। कालांतर में इस गीत को लेकर मुसलमानों की तरफ से आपत्ति जताई जाने लगी। 1923 में कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम गायन के समय तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद अली जौहर मंच से उठकर चले गए थे। इस गीत को लेकर मुस्लिम पक्ष की आपत्ति है कि वंदे मातरम के जरिए उन पर हिंदू देवी देवताओं की पूजा का दबाव डाला जा रहा है। वंदे मातरम में मंदिर और दुर्गा शब्दों का इस्तेमाल हुआ है। कांग्रेस कार्यसमिति ने 1937 में तय किया कि राष्ट्रीय आयोजनों में इस गीत के केवल पहले दो पद ही गाए जाएंगे। यही कारण रहा कि 1937 में पंडित जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम के केवल दो छंद ही गाए गए। उस समय से इसी नियम का पालन किया जाने लगा। आजादी के बाद इसे नियम बनाते हुए 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने वंदे मातरम को राष्ट्रगीत घोषित कर दिया। वंदे मातरम को आज भी आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय गीत का दर्जा मिला हुआ है। लेकिन सरकारी समारोहों में इसके पहले के दो छंदों का ही गायन होता है। हालांकि बाल गंगाधर तिलक ने इसे राष्ट्रीय प्रार्थना और अरविंदो घोष ने मंत्र कहते हुए इसे राष्ट्रगान का दर्जा देने की भी मांग की थी। यह गीत राष्ट्रगान की जगह तो नहीं ले सका लेकिन राष्ट्रगीत के तौर पर आज भी करोड़ों देशवासियों को प्रेरणा दे रहा है।

वंदे मातरम आनंद मठ के संतानों द्वारा गाया जाने वाला गीत है। यह देशभक्ति के धर्म के प्रतीक के रूप में खड़ा था, जो आनंद मठ का केंद्रीय विषय था। अपने मंदिर में, उन्होंने मातृभूमि का प्रतिनिधित्व करने वाली मां की तीन मूर्तियां स्थापित कीं। वंदे मातरम के रचयिता बंकिम चंद्र चटर्जी (1838-1894) 19 वीं सदी के बंगाल के सबसे प्रमुख व्यक्तियों में से एक थे। उन्नीसवीं सदी के दौरान बंगाल के बौद्धिक और साहित्यिक इतिहास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। एक प्रतिष्ठित उपन्यासकार, कवि और निबंधकार के रूप में, उनके योगदान ने आधुनिक बंगाली गद्य के विकास और उभरते भारतीय राष्ट्रवाद की अभिव्यक्ति को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया। आनंदमठ (1882), दुर्गेशनंदिनी (1865), कपालकुंडला (1866) और देवी चौधरानी (1884) सहित उनकी उल्लेखनीय रचनाएं, आत्म-पहचान के लिए प्रयासरत एक उपनिवेशित समाज की सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक चिंताओं को दर्शाती हैं। वंदे मातरम की रचना को राष्ट्रवादी चिंतन में एक मील का पत्थर माना जाता है, जो मातृभूमि के प्रति समर्पण और आध्यात्मिक आदर्शवाद के संश्लेषण का प्रतीक है। वंदे मातरम में उन्होंने देश को मातृभूमि के दर्शन कराए, जिसे माता का रूप दिया गया। अक्टूबर 1905 में, मातृभूमि को एक मिशन और धार्मिक जुनून के रूप में बढ़ावा देने के लिए उत्तरी कोलकाता में एक 'वंदे मातरम संप्रदाय' की स्थापना की गई थी। हर रविवार को, समाज के सदस्य प्रभात फेरी निकालते थे, वंदे मातरम गाते थे और मातृभूमि के समर्थन में लोगों से स्वैच्छिक योगदान स्वीकार करते थे। रवींद्रनाथ टैगोर भी कभी-कभी इस संप्रदाय की प्रभात फेरी में शामिल होते थे। 20 मई 1906 को, बारीसाल (अब बांग्लादेश में), एक अभूतपूर्व वंदे मातरम जुलूस निकला। इसमें दस हजार से अधिक प्रतिभागियों, हिंदू और मुस्लिम दोनों ने भाग लिया था। इतिहास गवाह है कि जिन्ना को खुश करने के लिए पं. जवाहर लाल नेहरू ने उनकी आपत्तियों के उत्तर में लिखा था कि कांग्रेस ने वंदे मातरम को कभी राष्ट्रगान के रूप में स्वीकार नहीं किया, जबकि सत्य यह है कि आनंदमठ के संन्यासी भवानन्द की तरह आज भी देशप्रेमियों के रगों में वंदे मातरम गीत उबाल ला देता है और मां भूमि के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करने को तैयार हो जाता है। जिस देश के पीछे न जाने कितनी मां की गोद सूनी हो गई, कितनी महिलाओं की मांग के सिंदूर धुल गए, बंग-भंग आन्दोलन के समय जो गीत धरती से आकाश तक गूंज उठा, बंगाल की खाड़ी से जिसकी लहरें इंगलिश चैनल पार कर ब्रिटिश पार्लियामेंट तक पहुंच गईं, जिस गीत के कारण बंगाल का बंटवारा नहीं हो सका, उसी गीत को अल्पसंख्यकों की तुष्टि के लिए खंडित किया गया। यहां तक कि उन्हें प्रसन्न करने के लिए मातृभूमि का खंडित किया गया। उसके बाद भी जनमानस को उद्वेलित करने वाले इस गीत को प्रमुख राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार नहीं किया गया। इससे बड़ा दुर्भाग्य कुछ नहीं हो सकता है। आज संसद में वंदेमातरम को लेकर जो खींचतान हो रही है वह भी वंदेमातरम की गरिमा से खिलवाड़ ही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भारत को चावल की धमकी का क्या होगा असर

अशोक भाटिया

इस साल ट्रंप ने भारत से आने वाले सामानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए थे, जिसका हवाला उन्होंने व्यापार बाधाओं और ऊर्जा खरीद से जुड़े मुद्दों का दिया था। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताह भारत का दौरा करने वाला है ताकि व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाया जा सके, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि कोई बड़ा समझौता होने की संभावना कम है। ट्रंप ने कनाडा के साथ भी व्यापारिक तनाव बढ़ाया है, जहां उन्होंने उर्वरकों पर 'बहुत कड़े टैरिफ' लगाने की बात कही ताकि अमेरिकी उत्पादन को बढ़ावा मिले।

इसी सिलसिले में ट्रंप ने भारत पर सस्ते चावल की 'डंपिंग' का आरोप लगाते हुए नए टैरिफ लगाने का संकेत भी दिया है। इससे भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में तनाव बढ़ सकता है। अमेरिकी किसान सस्ते आयात से नुकसान की शिकायत कर रहे हैं, जबकि ट्रंप ने कनाडाई खाद पर भी कड़े टैरिफ की धमकी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान अमेरिकी किसानों को 12 अरब डॉलर के आर्थिक सहायता पैकेज की घोषणा की, जो उनकी ही लगाई गई टैरिफ नीतियों से प्रभावित हुए हैं। इस बीच, ट्रंप ने व्हाइट हाउस मीटिंग में किसानों से कहा, ₹वो लोग डंपिंग नहीं कर सकते।।। ऐसा नहीं कर सकते। उन्होंने विशेष रूप से भारत, वियतनाम और थाईलैंड से आने वाले सस्ते चावल आयात को अमेरिकी चावल उत्पादकों के लिए खतरा बताया। किसान संगठनों के अनुसार, इन आयातों से अमेरिकी चावल की कीमतें गिर रही हैं, जिससे स्थानीय उत्पादक परेशान हैं। ट्रंप ने वादा किया कि वह इस 'डंपिंग' को रोकने के लिए कड़े कदम उठाएंगे, जिसमें नए टैरिफ शामिल हो सकते हैं।

दूसरी ओर, ट्रंप की टैरिफ नीतियां अमेरिकी किसानों को ही नुकसान पहुंचा रही हैं। चीनी व्यापार युद्ध के कारण चीन ने अमेरिकी सोयाबीन और ज्वार की खरीद कम कर दी है, जिससे किसानों को लगातार नुकसान हो रहा है। अमेरिकी सोयाबीन एसोसिएशन के अनुसार, 2025 में सोयाबीन किसान तीसरे साल लगातार घाटे में हैं। टैरिफ से बीज और उर्वरक की कीमतें भी बढ़ गई हैं। फूड एंड एग्रीकल्चरल पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुमान से 2026 में किसानों की कुल आय में 30 अरब डॉलर से अधिक की कमी आ सकती है।

12 अरब डॉलर के पैकेज की घोषणा इसी संदर्भ में हुई है। ट्रंप ने कहा, ₹हम टैरिफ से मिली आय का एक छोटा हिस्सा किसानों को आर्थिक सहायता के रूप में दे रहे हैं। हम अपने किसानों से प्यार करते हैं।₹ इसमें से 11 अरब डॉलर नए 'फार्मर ब्रिज असिस्टेंस' कार्यक्रम के तहत रो क्रॉप किसानों (जैसे सोयाबीन उत्पादक) को दिए जाएंगे, जो व्यापार विवादों और बढ़ती लागतों से प्रभावित हैं। शेष एक अरब डॉलर के आवंटन पर अभी विचार चल रहा है। इस साल किसानों को पहले ही आपदा राहत और आर्थिक सहायता के रूप में 40 अरब डॉलर की सब्सिडी मिल चुकी है।

ट्रंप प्रशासन का दावा है कि चीन के साथ हालिया समझौते से स्थिति सुधरेगी, जिसमें बीजिंग ने साल के अंत तक 1।2 करोड़ मीट्रिक टन अमेरिकी सोयाबीन खरीदने का वादा किया है। अगले तीन सालों के लिए यह मात्रा सालाना 2।5 करोड़ मीट्रिक टन तक बढ़ाई जाएगी, हालांकि 2025 में अब तक केवल एक छोटा हिस्सा ही खरीदा गया है।

ट्रंप के किसान समर्थक वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए यह पैकेज राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। किसान संगठनों ने सहायता का स्वागत किया है, लेकिन लंबे समय तक टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए व्यापार समझौतों की मांग की है। भारत सरकार ने अभी तक इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन व्यापार मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, दिल्ली वार्ताओं में मुद्दों को सुलझाने की कोशिश की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार में ₹डंपिंग₹ का मतलब है कि कोई देश अपनी वस्तु को दूसरे देश में उसकी घरेलू कीमत या उत्पादन लागत से बहुत कम दाम पर बेचता है। चावल की डंपिंग से तात्पर्य है कि भारत जैसे देश अमेरिका में चावल को इतना सस्ता बेच रहे हैं कि अमेरिकी किसान अपना उत्पादन बेच भी नहीं पाते। नतीजा यह होता है कि अमेरिकी बाजार में विदेशी चावल का हिस्सा तेजी से बढ़ जाता है और स्थानीय किसानों की कमाई घट जाती है या वे घाटे में चले जाते हैं।

भारत पर डंपिंग का आरोप इसलिए लग रहा है चूँकि भारत में चावल पैदा करने की लागत दुनिया में सबसे कम है झ एक टन गैर-बासमती चावल की लागत मात्र 15-18 हजार रुपये (लगभग 180-220 डॉलर) पड़ती है, जबकि अमेरिका में यही लागत 38-45 हजार रुपये (450-550 डॉलर) तक होती है। इसका कारण है झ सस्ती मजदूरी, मुफ्त/सब्सिडी वाली बिजली, भारी सब्सिडी वाले खाद-बीज और सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (टरढ) पर बड़े पैमाने पर खरीद। सरकार इतना चावल खरीद लेती है कि किसान को बाजार की चिंता नहीं रहती। फिर यह चावल निर्यातकों के पास जाता है और दुनिया में जितना भी दाम मिले, बेच दिया जाता है झ अक्सर अमेरिकी किसानों की लागत से भी कम में। खासकर टूटा चावल (ब्रोकन राइस) और निम्न श्रेणी का सफेद चावल अमेरिका में बीयर बनाने, पालतू जानवरों के खाने और प्रोसेस्ड फूड में इस्तेमाल होता है, जिसकी कीमत 2025 में 350-380 डॉलर प्रति टन तक गिर गई है।

दरअसल विश्व व्यापार संगठन के नियमों में डंपिंग तभी अवैध मानी जाती है जब आयात करने वाला देश साबित कर दे कि (1) निर्यात मूल्य घरेलू मूल्य या उत्पादन लागत से कम है, (2) इससे स्थानीय उद्योग को भारी नुकसान हो रहा है, और (3) नुकसान का सीधा कारण वही सस्ता आयात है। अमेरिका ने पहले भी भारत के चावल पर एंटी-डंपिंग जांच शुरू की है, लेकिन ज्यादातर मामलों में भारत बच जाता है क्योंकि टूटा चावल की घरेलू कीमत तुलना करना मुश्किल होता है और भारत कहता है कि हमारी सब्सिडी किसानों के लिए है, निर्यात के लिए नहीं। फिर भी 2025 में अमेरिकी किसानों का गुस्सा इतना बढ़ गया है कि ट्रंप ने नए टैरिफ लगाने की धमकी दी है। यही वजह है कि इसे ₹चावल डंपिंग₹ का मामला कहा जा रहा है।यह घटनाक्रम वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता को बढ़ा रहा है, खासकर कृषि क्षेत्र में। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति से न केवल विदेशी संबंध प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि घरेलू अर्थव्यवस्था पर भी दबाव पड़ रहा है।

भारतीय चावल निर्यातकों ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारतीय चावल पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की संभावित कार्रवाई पर उद्योग जगत में कोई बड़ी चिंता नहीं है। भारत चावल निर्यातक महासंघ (कमए्त्र) के अध्यक्ष प्रेम गर्ग ने बताया कि अमेरिका को होने वाला चावल निर्यात भारत की कुल निर्यात मात्रा का बहुत छोटा हिस्सा है, इसलिए शुल्क लगने की स्थिति में भी इसका व्यापक प्रभाव नहीं पड़ेगा। गर्ग ने बताया कि अमेरिका को बासमती चावल का निर्यात 3 प्रतिशत से भी कम है। वहीं भारत के कुल चावल निर्यात करीब 210 लाख टन में अमेरिका की हिस्सेदारी केवल एक प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने बताया कि अमेरिका हर वर्ष मात्र 2।7 लाख टन भारतीय चावल आयात करता है, जो भारत की वैश्विक आपूर्ति की तुलना में बेहद कम है। गर्ग ने अमेरिकी अधिकारियों द्वारा लगाए गए इस आरोप को भी खारिज किया कि भारत वैश्विक बाजार में चावल डंप कर रहा है।

उन्होंने कहा कि भारतीय चावल की मांग स्थिर बनी हुई है और भारत के लिए अमेरिका कोई बड़ा बाजार नहीं है। इसके अलावा भारतीय निर्यातकों को नए और उभरते वैश्विक बाजारों से अच्छी मांग मिल रही है, जिससे समग्र निर्यात बास्केट मजबूत बनी हुई है। उनकी यह टिप्पणी वाशिंगटन में भारतीय चावल पर अतिरिक्त शुल्क लगाने पर चर्चा के बीच आई है, जिस पर पहले से ही 50 प्रतिशत टैरिफ लगता है। गर्ग ने कहा कि छह महीने पहले 10 प्रतिशत से शुरू होकर यह शुल्क 25 प्रतिशत और फिर पिछले तीन महीनों में 50 प्रतिशत तक बढ़ गया है। इसका मांग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। उन्होंने कहा कि नवंबर में निर्यात पिछले साल के समान ही रहा। उद्योग जगत के लोगों ने कहा कि शुल्क में आगे कोई भी वृद्धि मुख्य रूप से अमेरिकी उपभोक्ताओं द्वारा वहन की जाएगी। राइस विला समूह के सीईओ सूरज अग्रवाल ने कहा कि अमेरिका को निर्यात की जाने वाली भारतीय बासमती और प्रीमियम गैर-बासमती किस्में एशियाई और मध्य पूर्वी समुदायों के लिए आवश्यक खाद्यान्न हैं। उन्होंने कहा कि ये आवश्यक वस्तुएं हैं, विलासिता की वस्तुएं नहीं। मांग पर प्रभाव नगण्य होगा। किसी भी अतिरिक्त शुल्क का खामियाजा केवल अमेरिकी उपभोक्ताओं को ही भुगतना पड़ेगा। भारत, जो वैश्विक चावल निर्यात का 40 प्रतिशत आपूर्ति करता है और 172 देशों को निर्यात करता है, में लगातार मजबूत मांग देखी जा रही है। खाड़ी देश बासमती के प्रमुख बाजार बने हुए हैं, वहीं अफ्रीकी देश तेजी से बढ़ते खरीदार के रूप में उभरे हैं। उदाहरण के लिए, बेनिन ने पिछले साल 60,000 टन से अधिक बासमती का आयात किया। गर्ग ने कहा कि यह एक नया बाजार है जो बहुत तेजी से विस्तार कर रहा है। रूस ने भी गैर-बासमती किस्मों पर अपने पारंपरिक फोकस से आगे बढ़ते हुए बासमती की खरीद शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि ब्राजील और थाईलैंड जैसे प्रमुख चावल उत्पादक देश भी भारतीय बासमती का आयात कर रहे हैं। गर्ग ने कहा कि भारत चीन को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक बन गया है और अगले साल घरेलू उत्पादन में 4-5 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है क्योंकि किसानों को बेहतर मूल्य मिल रहा है।

वोट चोरी-एसआईआर के सहारे मोदी सरकार की छवि धूमिल करने की साजिश

-अजय कुमार

संसद के दोनों सदनों में चुनाव प्रक्रिया में सुधार, एसआईआर और इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर चर्चा चल रही है। सभी दलों के नेता पक्ष-विपक्ष में अपने विचार रख रहे हैं। इसी के साथ चुनावों के दौरान मतदान प्रणाली को लेकर लगातार उठ रहे विवादों में पिछले कुछ समय से चुनाव आयोग भी विपक्षी दलों के निशाने पर है। विपक्ष की पार्टियां बार-बार यह सवाल कर रही हैं कि आखिर क्यों जनता लगातार भारतीय जनता पार्टी को चुन रही है, जबकि कांग्रेस और महागठबंधन जैसी पार्टियां हर बार चुनाव में हार रही हैं। इन दलों का आरोप है कि चुनाव आयोग चुनाव प्रक्रिया में निष्पक्षता नहीं बरत रहा और ईवीएम में गड़बड़ी हो रही है। राहुल गांधी इस मामले में सबसे मुखर आवाज बने हुए हैं, जो ईवीएम के खिलाफ कई बार अपनी आपत्ति जता चुके हैं। विपक्ष का मानना है कि सभी चुनावों में वोटिंग मशीन के जरिए वोटिंग की बजाय फिर से बैलेट पेपर से चुनाव करवाए जाएं। उनका तर्क है कि ईवीएम में विश्वास नहीं किया जा सकता क्योंकि इससे गड़बड़ी संभव है। इसके साथ ही वे बताते हैं कि ईवीएम के विवादों को लेकर चुनाव आयोग और सरकार पर सवाल उठाना उनकी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है। विपक्ष की ओर से यह भी आवाज उठ रही है कि चुनाव प्रणाली में पारदर्शिता और लोकतांत्रिक मूल्यों का अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि हर वोट की गिनती सटीक और निष्पक्ष रूप से हो।

दूसरी ओर सत्ता पक्ष और चुनाव आयोग का इस मामले पर मजबूत रुख है। उनका कहना है कि बैलेट पेपर के जमाने में चुनावों में बहुत बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और हिंसा होती थी। उस वक्त दबंग अपने इलाकों में जबरन बैलेट पेपर डालकर चुनाव परिणामों को प्रभावित करते थे। मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचने से रोका जाता था, धमकियां दी जाती थीं और कई बार मारपीट भी होती थी। बैलेट पेपर के डिब्बों में स्याही या पानी डालकर मतदाता का अधिकार छीना जाता था। ऐसी स्थिति में लोकतंत्र की पराकाष्ठा को खतरा था और जनता की मंशा का सही प्रतिनिधित्व नहीं हो पाता था। इन्हीं कारणों से चुनाव आयोग ने बहुत सोच-विचार के बाद ईवीएम अर्थात इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन को अपनाया। इसके आने के बाद चुनाव प्रक्रिया अधिक सुरक्षित, त्वरित और पारदर्शी हुई है। चुनाव आयोग बार-बार यह स्पष्ट कर चुका है कि ईवीएम पूरी तरह से सुरक्षित और विश्वसनीय हैं। संवैधानिक दिशा-निर्देशों के तहत ईवीएम की जांच, परीक्षण और रख-रखाव नियमित रूप से किया जाता है और यह प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से होती है। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए यदि कोई पार्टियां भी चुनाव आयोग के पास शिकायत दर्ज करातीं, तो उसे गंभीरता से लिया जाता और जांच का प्रावधान है।सुप्रीम कोर्ट ने भी अनेक मामलों में ईवीएम की वैधता और सुरक्षित होने की पुष्टि की है। कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि किसी को ईवीएम से संबंधित कोई शिकायत हो, तो उसका समाधान ईवीएम वीवीपैट (वोटर वेरीफायबल पेपर ऑडिट ट्रेल) के जरिए जांचा जा सकता है। वीवीपैट सिस्टम मतदाता को यह सुनिश्चित करने का अधिकार देता है कि उनका वोट मशीन में सही तरीके से दर्ज हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार चुनाव आयोग को निर्देश दिए हैं कि चुनाव प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती जाए और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाए।

हालांकि, विपक्ष के नेताओं ने इस मुद्दे को चुनाव आयोग से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ले जाने की बजाय प्रचार-प्रसार और सार्वजनिक मंचों पर ही वोट चोरी का आरोप लगाना जारी रखा है। राहुल गांधी के अलावा कई अन्य विपक्षी दलों के नेता भी ईवीएम की आलोचना करते हुए कहते हैं कि यह तकनीक शक्तिशाली दलों का पक्ष लेती है। वे दावा करते हैं कि चुनाव आयोग और सरकार मिलकर ईवीएम के माध्यम से सत्तासीन पार्टी का समर्थन बढ़ा रही है। हालांकि, इस मामले में ठोस सबूत या अदालत में जांच के लिए कोई ठोस कदम विपक्षी दलों ने नहीं उठाए हैं। चुनाव आयोग ने इस दौरान अपने बयान में स्पष्ट किया है कि वे पूरी निष्पक्षता और स्वतंत्रता के साथ चुनाव प्रक्रिया का संचालन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ईवीएम और वीवीपैट प्रणाली पर पूरी तरह भरोसा किया जा सकता है। आयोग ने विपक्ष को भी कई मौके दिए हैं कि वे ईवीएम की जांच करे और यदि कोई त्रुटि मिले तो उसका निवारण किया जाए। आयोग ने बार-बार कहा है कि भारत में विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना उनकी प्राथमिकता है।

इस पूरे विवाद के बीच चुनाव आयोग ने कहा है कि वोटिंग सिस्टम की समीक्षा और सुधार आवश्यक है, मगर इसे वैज्ञानिक आधार और तथ्यात्मक प्रमाणों के आधार पर करना चाहिए। वे कहते हैं कि बिना किसी ठोस सबूत के, वोटिंग मशीन पर आरोप लगाना लोकतंत्र के हित में नहीं है। इसके बजाय सभी राजनीतिक दलों को साथ मिलकर चुनाव सुधारों पर विचार करना चाहिए और मतदाताओं के विश्वास को बनाए रखना चाहिए। चुनाव आयोग ने पुनर्निर्धारित मतदाता पहचान प्रक्रिया, ईवीएम के सुरक्षा तंत्रों में नवीनतम तकनीक, वीवीपैट की संपूर्ण जांच और चुनाव कर्मियों के प्रशिक्षण में सुधार जैसे कई कदम उठाए हैं ताकि चुनाव प्रक्रिया पर कोई संदेह न रहे। इसके अलावा, चुनाव आयोग ने निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए अन्य आधुनिक तकनीकों को अपनाने पर भी विचार किया है जो लोकतंत्र की मजबूती में सहायक हों।

राजनीतिक दलों की बात करें तो कांग्रेस और महागठबंधन इस मुद्दे को बड़े पैमाने पर उठाकर जनता का ध्यान चुनाव प्रणाली की खामियों की ओर ले जाना चाहते हैं। वे दावा करते हैं कि जनता को सचेत किया जाए ताकि उनका वोट सुरक्षित रहे। दूसरी ओर भाजपा और अन्य सत्ता पक्ष इस बात पर जोर देते हैं कि पुरानी गलतियों को दोबारा न आएं और लोकतंत्र के मजबूत स्तंभों को मजबूत किया जाए। उनका तर्क है कि चुनाव आयोग निष्पक्ष है और विरोधी दल केवल अपनी चुनावी असफलताओं को छुपाने के लिए आरोप लगा रहे हैं। यह विवाद लोकतंत्र की सबसे बड़ी परीक्षा भी है। लोकतंत्र तभी मजबूत हो सकता है जब जनता चुनाव प्रक्रिया पर भरोसा करे और मतदाता अपने अधिकारों को स्वतंत्र और निष्पक्ष ढंग से प्रयोग कर सके। चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट की भूमिका इसमें निर्णायक होती है क्योंकि वे चुनाव के नियम-संहिता के संरक्षक हैं। इसीलिए, वोटिंग मशीन की विश्वसनीयता को लेकर चल रहे सवालों के बीच तथ्य-आधारित बहस जरूरी है ताकि लोकतंत्र की नींव मजबूत हो। इस पूरे तर्क-वितर्क के बीच आम मतदाता की छवि भी ध्यान देने योग्य है। वह अपने क्षेत्र में निष्पक्ष, शांतिपूर्ण मतदान चाहता है, जिसमें किसी प्रकार की बाधा, धमकी या गड़बड़ी न हो। सामान्य मतदाता चाहता है कि उसका वोट सही प्रकार से गिना जाए और चुनाव परिणामों में उसके फैसले की वास्तविक छवि दिखे। यही लोकतंत्र की मूल भावना है और इसके संरक्षण के लिए सभी पक्षों का सहयोग आवश्यक है। इसलिए चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट और सभी राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे वोटिंग सिस्टम पर राजनीतिक लड़ाई लड़ने के बजाय वास्तविक सुधार के लिए मिलकर काम करें। चुनाव की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए तकनीकी सुरक्षा के उपायों को और बेहतर बनाया जाए। साथ ही मतदाताओं को जागरूक कर उनका विश्वास हासिल किया जाए ताकि हर नागरिक मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लेकर देश के भविष्य को आकार दे सके। इस तरह की गंभीर स्थिति में, जो लोकतंत्र की मजबूती के सवाल को छूती है, केवल आरोप-प्रत्यारोप नहीं, बल्कि समाधान पर ध्यान देना आवश्यक है। राजनीतिक दलों का फर्ज बनता है कि वे अपने मतदाताओं को यह विश्वास दिलाएं कि उनका वोट सुरक्षित है और चुनाव निष्पक्ष तरीके से होता है। वहीं चुनाव आयोग को भी लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखने के लिए अपनी प्रक्रिया को हर तरह से पारदर्शी और तकनीकी रूप से मजबूत करना होगा, ताकि देश का लोकतंत्र उत्सव की तरह हर चुनाव में फल-फूल सके।

वंदे मातरम पर चर्चा : सवाल नीति और नीयत का

भारतीय संसद में शीतकालीन सत्र 2025 के दौरान ₹वंदे मातरम₹ की 150वीं वर्षगांठ मनाने के लिए एक विशेष चर्चा आयोजित की गयी। गौर तलब है कि संस्कृत और बांग्ला भाषा के मिश्रण से तैयार किया गया यह गीत पहली बार 1882 में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित उनकी बांग्ला उपन्यास आनंदमठ में प्रकाशित हुआ था। 24 जनवरी 1950 को भारत की संविधान सभा ने इसी गीत अर्थात ₹वन्दे मातरम्₹ को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया। आज देश में इस गीत को भी राष्ट्रगान अर्थात ₹जन गण मन₹ के ही समकक्ष सम्मान प्राप्त है। सभी सरकारी और आधिकारिक कार्यक्रमों में जब इसे गाया या बजाया जाता है, तो सभी लोग इसके सम्मान में खड़े होते हैं। परन्तु हमारे देश में मुस्लिम उलेमा का एक वर्ग ऐसा है जिनका मानना है कि धरती-माँ को इस तरह देवी के रूप में पूजना और उसके सामने सजदा करना इस्लाम विरोधी (शिर्क) है। और अल्लाह के सिवा किसी को सजदा करना हराम है। इस

विचारधारा का प्रतिनिधित्व खासतौर पर देवबंदी अथवा जमाअत-ए-इस्लामी से सम्बंधित अतिवादी वर्ग के लोग ही करते हैं। जबकि अधिकांश मुस्लिम राष्ट्रप्रेम का हिस्सा मानते हुये इसे गाते भी हैं।

परन्तु राष्ट्रगान जन गण मन का विरोध करने वाले हिंदूवादी विचारधारा से जुड़े लोग खासकर संघ व भाजपा वंदे मातरम को लेकर कांग्रेस पार्टी पर मुस्लिम परस्त होने का इलजाम लगाती रहती है। यही कोशिश गत दिनों संसद में ₹वंदे मातरम₹ पर चर्चा के दौरान देखने को भी मिली। खासकर इस चर्चा का ऐसे समय में होना जबकि अगले वर्ष बंगाल में चुनाव भी प्रस्तावित हैं, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिशों की तरफ इशारा करता है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने लोकसभा में ₹वंदे मातरम₹ पर बहस के दौरान सरकार पर तीखा प्रहार करते हुये यह कहा भी कि राष्ट्रगान पर बहस की कोई जरूरत नहीं क्योंकि यह पहले से ही राष्ट्रगान है। प्रियंका गांधी ने भी यही दावा किया कि यह चर्चा बंगाल चुनावों को ध्यान में रखकर जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास है। उन्होंने ₹वंदे मातरम₹ को भारत की आत्मा का हिस्सा बताया, जो गुलामी से जागरण का प्रतीक है और आधुनिक राष्ट्रवाद की अभिव्यक्ति है। उल्टे प्रियंका गांधी ने संविधान सभा में दो छंद अपनाने पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विरोध न करने का ही सवाल उठा कर भाजपा को ही घेरने की कोशिश की। राजयसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी सत्ता से सवाल किया कि जब भाजपा के पुरखे श्यामा प्रसाद मुखर्जी, मुस्लिम लीग के साथ बंगाल में सरकार चला रहे थे, तब आपकी देशभक्ति कहां थी?

बहरहाल,इसी तरह के मुद्दों को उठाकर कांग्रेस को मुस्लिम परस्त बताने व हमेशा ही कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाने वाली भाजपा को कम से कम देश को एक बात यह भी बतानी चाहिये कि जिस दारुल उलूम देवबंद व जमाअत-ए-इस्लामी ने वंदे मातरम का विरोध किया था, जिस जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने 1937-39 में जारी अपने फतवे में वंदे मातरम को गाना 'हराम' बताया था। उसी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करने वाली अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से तो भारत बेहतर रिश्ते बनाने की तरफ आगे बढ़ रहा है ? गत अक्टूबर माह में ही अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मौलवी आमिर खान मुत्तकी ने भारत का छह-दिवसीय दौरा किया। इस दौरे के दौरान मुत्तकी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की, जिसमें द्विपक्षीय व्यापार, मानवीय सहायता, शिक्षा और आर्थिक सहयोग पर चर्चा हुई। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अनुमति से संभव यह यात्रा भारत- अफगानिस्तान संबंधों को मजबूत करने का संकेत मानी गई। मुत्तकी ने अपने भारत प्रवास के दौरान केवल राजकीय यात्रा मात्र ही नहीं की बल्कि इस दौरान उन्होंने 11 अक्टूबर 2025 को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में स्थित दारुल उलूम देवबंद अर्थात अपने 'वैचारिक प्रेरणा केंद्र' का भी दौरा किया। यह वही दारुल उलूम देवबंद तो है जिसने वंदे मातरम के एक हिस्से को गाने का विरोध किया था ?

मुत्तकी ने अपने भारत दौरे के बीच दारुल उलूम देवबंद पहुंचकर व देवबंदी मसलक से जुड़े दारुल उलूम के उलेमा, छात्रों और अफगान छात्रों से मिकर केवल अपनी अतिवादी वैचारिक प्रतिबद्धता ही नहीं दोहराई बल्कि उन्होंने दिल्ली में ही आयोजित अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिलाओं को प्रवेश न देकर भी यह साबित कर दिया कि महिलाओं के प्रति इस सोच विचार के लोग कितनी असहिष्णुता का भाव रखते हैं। परन्तु आश्चर्य है कि भाजपा सरकार वंदे मातरम गायन का विरोध करने व इसे हराम बताने वाली विचारधारा व इसके रहनुमाओं को तो गले से लगाती है। इनके स्वागत में लाल कालीन बिछाती है परन्तु कांग्रेस पर वंदे मातरम विरोधी होने का आरोप मढ़ती है ? परन्तु जब कांग्रेस संविधान सभा में इस गीत के दो छंद अपनाने पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विरोध न करने का सवाल उठाती है तो भाजपा बगलें झाँकने लगती है ? आज देश बेरोजगारी व मंहगाई से बुरी तरह जूझ रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत रसातल तक पहुँच गयी है। 2012-13 के मध्य जब डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की कीमत 60-68 के बीच लुढ़क रही थी। उस समय नरेंद्र मोदी ने यूपीए सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुये कहा था कि ₹हमारी मुद्रा मृत्युशैया पर है, यह टर्मिनल स्टेज पर है और इसे तुरंत डॉक्टर की जरूरत है₹। उसी समय मोदी ने जोर देकर यह भी कहा था कि रुपये की गिरावट से प्रधानमंत्री की इज्जत गिरती है, क्योंकि रुपया केवल कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि देश की प्रतिष्ठा से जुड़ा होता है। उस समय मोदी ने इसे तत्कालीन यू पी ए सरकार की आर्थिक नाकामी करार दिया था। परन्तु आज तो 1 डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा 90 के करीब पहुँच चुकी है। आज देश की संसद में इसपर चर्चा क्यों नहीं होती ? दरअसल मोदी सरकार ने अपनी पूरी ताकत देश का साम्प्रदायिक आधार पर ध्रुवीकरण करने में झोंक रखी है। खासकर चुनावों के समय ऐसी कोशिशों में और भी तेजी आ जाती है। बड़ा आश्चर्य है कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर राष्ट्रगान तक का विरोध करने वाले,गांधी की हत्या पर जश्न मनाने व मिठाइयां बांटने वाले,भारतीय संविधान को न पचा पाने वाले लोग आज सत्ता में आने के बाद बड़े ही शातिर तरीके से स्वयं को महान देशभक्त व धर्म के 'अभिरक्षक ' बनने की कोशिश कर रहे हैं। और देश के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाते हुये फांसी के फंदे पर झूलने व अंग्रेजों की यातनायें झेलने वाली कांग्रेस को वंदे मातरम विरोधी तो कभी मुस्लिम परस्त तो कभी पाक परस्त बातकर मुद्रा पतन से लेकर मंहगाई बेरोजगारी जैसे मूल मुद्दों से ध्यान भटकने की कोशिश करती रहती है। गत दिनों संसद में वंदे मातरम पर हुई चर्चा भी जनहितकारी मुद्दों से ध्यान भटकने की ऐसी ही एक कोशिश थी जिसमें वंदे मातरम को लेकर भाजपा की नीति और नीयत का अंतर साफ नजर आया।

-निर्मल रानी

सुशील वर्मा को भाजपा जिला सचिव बनाया गया

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में सराहनीय कामो को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी के विधायक नरेन्द्र मेहता के नेतृत्व मे जिला अध्यक्ष दिलीप जैन के मार्गदर्शन मे सुशील वर्मा को शहर जिला सचिव के पद पर नियुक्त किया उनके साथ मे रहे राहुल वर्मा, अनीता दीक्षित, हरीश रावत, संजय सोनार, हरीश उपस्थित रहे।

फिलिप मॉरिस इंडिया ने साल 2025 में अवैध सिगरेट के व्यापार को खत्म करने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया

मुंबई। भारत में अवैध सिगरेट का व्यापार भारतीय अर्थव्यवस्था और जनस्वास्थ्य के लिए एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। इस समस्या से निपटने के लिए फिलिप मॉरिस इंडिया ट्रेडिंग प्राईवेट लिमिटेड (पीएम इंडिया) ने खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई और नीतियों की मदद से अपनी कोशिशें तेज की हैं। संगठन ने खुफिया जानकारी की मदद से पता लगाया कि प्रतिबंधित सिगरेट का कारोबार कहाँ से चलता है तथा यह कितना फैला हुआ है। साथ ही, पारदर्शिता, कानूनों को प्रभावी तरीके से लागू करने तथा विश्व के सर्वोत्तम अभ्यासों के बारे में उद्योग जगत और सरकार के बीच बातचीत को बढ़ावा दिया। ये कोशिशें सप्लाई चेन को विश्वसनीय बनाए रखने तथा अवैध सिगरेट को देश में आने से रोकने के लक्ष्यों में मदद करने की पीएम इंडिया की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती हैं। यूरोमॉनिटर इंटरनेशनल की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि भारत में अवैध सिगरेट का कारोबार बहुत अधिक फैला हुआ है। इसका कारण यह है कि ये अवैध सिगरेट वैध सिगरेटों के मुकाबले बहुत सस्ते होते हैं। अवैध सिगरेट का कारोबार टैक्स की चोरी करता है, जबकि वैध उद्योग भारी टैक्स के बोझ तले दबकर संघर्ष कर रहा है। यूरोमॉनिटर इंटरनेशनल के आँकड़ों के मुताबिक अवैध सिगरेट की खपत के मामले में भारत विश्व में चीन, ब्राजील और पाकिस्तान के बाद चौथे स्थान पर आता है। हाल ही में सार्वजनिक की गई रिपोर्टों के अनुसार वित्तवर्ष 2025 के दौरान कानूनी संस्थाओं ने तस्करी करके लाई गई अनुमानतः 600 करोड़ रुपये की सिगरेट जब्त की है, जिससे अवैध सिगरेट का बढ़ता व्यापार प्रदर्शित होता है। इसके अलावा, डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटैलिजेंस के डेटा में सामने आया है कि इसमें से एक तिहाई जब्ती उत्तर-पूर्व के क्षेत्र से हुई है, जो अपनी खुली सीमाओं के कारण तस्करी का सबसे बड़ा केंद्र है। महाराष्ट्र में 20 प्रतिशत, तमिल नाडु में 13 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल में 9 प्रतिशत अवैध सिगरेट बरामद हुए हैं। इससे साफ होता है कि तटीय और समुद्री मार्गों से तस्करी बढ़ रही है।

सफाई कर्मचारियों की विभिन्न मांगो को लेकर नागपुर विधनसभा पर मोर्चा 12 दिसंबर को

मुंबई। महाराष्ट्र में मुंबई मनपा और नागपुर मनपा सहित विभिन्न सरकारी विभागों के सफाई कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस की ओर से नागपूर विधनसभा पर आगामी 12 दिसंबर को सुबह 11:00 बजे मोर्चा निकाला जाएगा।प्रेस को जारी किए गए एक विज्ञप्ति में अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद भाई परमार ने बताया कि सफाई कर्मचारियों के मुद्दे पिछले कई वर्षो से लंबित हैं। बताया गया कि सर्वोच्च न्यायालय के 1995 के आदेश के नियमों के आधार पर ठेकेदारी प्रथा न हो। यह सुनिश्चित करने के लिए ठेका पद्धति भगाओ, सफाई कामगार वारस हक बचाओ नामक अभियान शुरू किया गया है। बता दें कि अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस की ओर से विभिन्न मांगो को लेकर पिछले कुछ वर्षों में कई आंदोलन और बैठकें आयोजित की गई । 8 (आठ) बार विधानसभा और विधान परिषद में विधायकों के माध्यम से प्रलंबित मांगों पर चर्चा की गई है ।इसके अलावा मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और मंत्रियों द्वारा उक्त मुद्दों पर आश्वासन दिया गया है। किंतु इस संबंध में कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। इस कारण महाराष्ट्र के हजारों सफाई कर्मचारी परेशान हैं। जिसके कारण उपरोक्त मांगो को लेकर अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद भाई परमार के नेतृत्व में नागपुर विधानसभा पर 12 मार्च की सुबह 11 बजे मोर्चा निकाला जाएगा।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया एक्सिस गोल्ड एंड सिल्वर पैसिव फंड ऑफ फंड

मुंबई/पटना। भारत की अग्रणी एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में से एक, एक्सिस म्यूचुअल फंड ने आज एक्सिस गोल्ड एंड सिल्वर पैसिव फंड ऑफ फंड लॉन्च करने की घोषणा की। यह एक ओपन-एंडेड फंड ऑफ फंड्स स्कीम है, जो गोल्ड और सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स की यूनिट्स में निवेश करेगी। नया फंड ऑफर 10 दिसंबर 2025 से सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 22 दिसंबर 2025 को बंद होगा। एक्सिस गोल्ड एंड सिल्वर पैसिव फंड ऑफ फंड निवेशकों को एक ही निवेश के जरिए सोने और चांदी झ्र दुनिया भर में पहचाने जाने वाले दो वैल्यू स्टोर झ्र के परफॉर्मेंस में हिस्सा लेने का एक आसान और पारदर्शी तरीका देता है। यह स्कीम मुख्य रूप से गोल्ड एळऋऔर सिल्वर एळऋकी यूनिट्स में निवेश करेगी, और दोनों कमोडिटीज को संतुलित एलोकेशन देगी। इस नए फंड के लॉन्च पर बोलते हुए, एक्सिस एएमसी के एमडी और सीईओ श्री बी. गोपकुमार ने कहाः सोना और चांदी ऐतिहासिक रूप से मुद्रास्फीति और मुद्रा अस्थिरता के खिलाफ प्रभावी सुरक्षा प्रदान करते रहे हैं और पोर्टफोलियो को विविधता देने में सहायता करते हैं।

तेलंगाना में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगा गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप

मुंबई/पटना। भारत के सबसे बड़े और सबसे विविध एग्रीबिजनेस में से एक, गोदरेज एग्रोवेट की सहायक कंपनी, क्रीमलाइन डेयरी प्रोडक्ट्स लिमिटेड, जो गोदरेज जर्सी ब्रांड नाम के तहत उत्पाद बेचती है, ने आज तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट 2025 के दौरान तेलंगाना सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। कंपनी 40 एकड़ में अत्याधुनिक डेयरी प्रोसेसिंग सुविधा स्थापित करने के लिए 150 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इस नए निवेश के साथ, गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप की राज्य में विभिन्न व्यवसायों में कुल निवेश योजना अब 10,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है।

जिला परिषद पालघर द्वारा आयोजित दिव्यांग बच्चों की जिलास्तरीय खेल प्रतियोगिता संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद के समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए आयोजित वार्षिक खेल प्रतियोगिता बुधवार 10 दिसंबर 2025 को आर्यन हाई स्कूल मैदान में अत्यंत उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई। जिले के 16 विद्यालयों के कुल 236 दिव्यांग विद्यार्थियों ने विभिन्न स्पधाओं में जोशपूर्ण सहभागिता दशार्ते हुए अपनी प्रतिभा का दमदार प्रदर्शन किया।

खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन जिलाधिकारी डॉ. इंदूरानी जाखड़ के हाथों किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथियों में मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी सचिन कवठे, पुलिस उपनिरीक्षक प्रभा राऊल, जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर सहित अन्य मान्यवर उपस्थित रहे।

जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर के नियोजनानुसार आयोजित इस खेल प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने मार्च पास कर अतिथियों को सलामी दी। इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा क्रीड़ा ज्योति प्रज्वलित कर प्रतियोगिताओं का औपचारिक शुभारंभ किया गया। खिलाड़ियों ने मान्यवरों की उपस्थिति में क्रीड़ा शपथ भी ली।

खेल प्रतियोगिता में दौड़, रनिंग लॉन्ग जंप, स्टैंडिंग लॉन्ग जंप, गोला फेंक, स्पॉट बॉल थ्रो जैसे विभिन्न खेलों का समावेश था, जिनमें बच्चों ने पूरा दमखम दिखाते हुए श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उद्घाटन समारोह में जिलाधिकारी डॉ. इंदूरानी

जाखड़ ने बोलते हुए कहा कि सेस फंड के माध्यम से अंतिम घटक तक पहुंचने वाला यह उपक्रम अत्यंत प्रशंसनीय है। दिव्यांग बच्चों के शिक्षक विशेष सराहना के पात्र हैं। चुनौतियों पर मात देकर मैदान में उतरना ही इन बच्चों की वास्तविक सफलता है। ऐसी प्रतियोगिताएँ उनकी क्षमताओं को नई दिशा देती हैं और समाज के लिए प्रेरणादायी बनती हैं। जिला प्रशासन ऐसे उपक्रमों को और व्यापक बनाने हेतु कटिबद्ध है। इस मौके पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ये प्रतियोगिताएँ दिव्यांग बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और उनके सामाजिक विकास को सशक्त बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जिला परिषद भविष्य में भी ऐसे उपक्रमों को प्राथमिकता देती रहेगी। कार्यक्रम के दौरान कर्णबधिर एवं मूकबधिर विद्यार्थियों की पूर्व आयोजित स्पधाओं के विजेताओं को भी मान्यवरों के हाथों पुरस्कार प्रदान किये गये। कार्यक्रम का प्रास्ताविक डॉ. प्रकाश हसनालकर ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारी खेल प्रतियोगिता के साक्षी बने।

महाराष्ट्र राज्य जिला परिषद कर्मचारी यूनियन के जव्हार तहसील अध्यक्ष पद पर भाग्येश ढोले निर्वाचित

पालघर(उत्तरशक्ति)। पंचायत समिति जव्हार में आयोजित महाराष्ट्र राज्य जिला परिषद कर्मचारी यूनियन की चयन सभा में भाग्येश ढोले को सर्वसम्मति से जव्हार तहसील अध्यक्ष चुना गया। जिला अध्यक्ष सुनील अहिरे (नाना) की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में उपाध्यक्ष पद के लिए मंजुषा वाघ, सचिव पद के लिए तुषार फालके व कार्याध्यक्ष पद के लिए प्रवीण चौधरी को भी चुना गया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अहिरे ने बताया कि संगठन के राज्याध्यक्ष बलराज मगर के मार्गदर्शन में कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। चयन सभा में पंचायत समिति की सहायक प्रशासन अधिकारी वासंती महाले, सहायक लेखाधिकारी संजय शेलकंदे सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित थे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष भाग्येश ढोले ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं को दूर करने के लिए मैं हमेशा प्रयासरत रहूंगा।

मनोर में चलाया गया तंबाकू नियंत्रण अभियान

कोटपा उल्लंघन करने वालों से वसूल किये गये 3,750 का दंड

पालघर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम, जिला अस्पताल पालघर, मनोर पुलिस स्टेशन तथा मराठवाड़ा ग्रामीण विकास संस्था, छत्रपति संभाजीनगर के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार 9 दिसंबर 2025 को मनोर टेन नाका क्षेत्र में तंबाकू नियंत्रण अभियान चलाया गया।

इस विशेष अभियान का संचालन जिला शल्य चिकित्सक डॉ. रामदास मराड और पुलिस निरीक्षक रणवीर बायस के मार्गदर्शन में किया गया। अभियान के दौरान तंबाकू नियंत्रण अमलबजावणी पथक ने कोटपा 2003 की धारा 4, धारा 6(अ) और धारा 6(ब) का उल्लंघन करने वाले पान-टपरी धारकों एवं व्यक्तियों पर कार्रवाई करते हुए कुल 3,750 रुपए का दंड वसूल किया। इस

अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर रोक, नाबालिगों को तंबाकू उत्पादों की बिक्री तथा शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में बिक्री के खिलाफ सख्ती से कानून लागू करना था। कार्रवाई दल में अनिल गुंजे विभागीय प्रबंधक, मराठवाड़ा ग्रामीण विकास संस्था, छत्रपति संभाजीनगर, सतीन अंकलू नारोत्तम सेखसरिया फाउंडेशन, मुंबई, मयूर बोंगे जिला सलाहकार, जयपालसिंग राजपूत समुपदेशक, जिला तंबाकू नियंत्रण कक्ष, जिला सामान्य अस्पताल, पालघर, अनिल भोये सहायक पुलिस निरीक्षक, मनोर पुलिस थाना शामिल रहे। अधिकारियों ने बताया कि तंबाकू सेवन से होने वाली स्वास्थ्य हानियों को देखते हुए आगे भी ऐसे अभियान और अधिक सख्ती से चलाए जायेंगे, ताकि आमजन को सुरक्षित व स्वस्थ वातावरण मिल सके।

ब्रेव मार्शल आर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजाराम देवासानी को मिली डाक्टर आफ मार्शल आर्ट की उपाधि

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के ब्रेव मार्शल आर्ट एसोसिएशन के संस्थापक/अध्यक्ष ग्रैड मास्टर राजाराम लक्ष्मीनारायण देवासानी को साउथवेस्टर्न अमेरिकन यूनिवर्सिटी द्वारा ग्लोबल काउंसिल फार प्रोफेशनल एजुकेशनल मिशन द्वारा डाक्टर आफ मार्शल आर्ट की उपाधि से फिल्म अभिनेता चिन्नी के हाथों मानद डॉक्टरेट उपाधि का प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया । बतादें कि ठाणे जिले के साथ भिवंडी शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में कराटे के माध्यम से 4 वर्ष के बच्चों से लेकर 70 वर्ष के नागरिकों को सेल्फ सुरक्षा की शिक्षा देने का कार्य पिछले 27 वर्षों से देने के सराहनीय कार्यों को

देखते हुए साउथवेस्टर्न अमेरिकन यूनिवर्सिटी द्वारा चेन्नई के मशहूर रामाडा होटल के फंक्शन हाल में आयोजित कार्यक्रम में डाक्टरेड की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया । राजाराम देवासनी को डाक्टर की उपाधि मिलने पर उनके शुभचिंतकों में अशोक देवासनी , मिथुन सी एच भोई, भरत देवासानी , मयूरी सोदे , आनंद सोनी , करण जैस्वार , अरमान सिरोहा , आदित्य बाजपेयी , मोनिका एगा , प्रेरणा , वैभवी कामाक्षी आदि लोगों ने शुभकामनाएँ देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है ।

विधानसभा सत्र में विधायक रईस शेख ने भिवंडी में हो रहे गुटखा बिक्री का मुद्दा उठाते हुये कठोर कार्रवाई की मांग की

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी में नशीली दवाओं और गुटखा की बिक्री बड़े पैमाने पर हो रही है जिसको लेकर कई शिकायतें भी की जा रही हैं वहीं भिवंडी पूर्व विधानसभा के विधायक रईस शेख ने नागपुर विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सरकार से कार्रवाई की मांग करते हुए आरोप लगाया है कि भिवंडी शहर गुटखा तस्करी का हब बनता जा रहा है। बतादें कि मंगलवार को विधानसभा में भिवंडी शहर में गुटखा तस्करी का मुद्दा उठाते हुए बताया गया कि इस समय भिवंडी गुटखा तस्करी का हब बनता जा रहा है और गुजरात से आने वाला गुटखा भिवंडी से बांटा जा रहा है जिसके चलते भिवंडी में गोदाम का

धंधा फल-फूल रहा है इसके लिए इस ट्रांसपोर्ट सिस्टम को खत्म करने की जरूरत है। इसी तरह भिवंडी के पोगांव में गुटखा फैक्ट्री मिली थी लेकिन अपराधी जमानत पर बाहर हैं। विधायक रईस शेख ने सदन में मांग की है कि भिवंडी में गुटखा माफिया की तस्करी पर नकेल कसने के लिए राज्य सरकार एक टाक्स फोर्स बनाए। क्योंकि गुटखा माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने वाले कानून कमजोर हैं इसलिए उन्हें तुरंत जमानत मिल जाती है। रईस शेख द्वारा उठाये गये सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गुटखा बैन को और सख्त करने के लिए गुटखा माफिया के खिलाफ कानून को और सख्त बनाकर मकोका के तहत कार्रवाई की जाएगी और भिवंडी में गुटखा माफिया की कमर तोड़ने के लिए गुप्त जानकारी लेकर भिवंडी शहर में खास कार्रवाई की जाएगी।

5 किलो सोना चारी मामले में एक चोर हिरासत में, अन्य फरार चोरों की तलाश जारी

कल्याण (उत्तरशक्ति)। सिद्धेश्वर एक्सप्रेस ट्रेन से 5.50 करोड़ रुपये का 5 किलो सोने और आभूषण चोरी होने की घटना की रेलवे की अनेकों एजेंसी जांच पड़ताल में जुटी हुई है । इस पूरे मामले में कुछ नए खुलासे हो रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस चोरी मामले में एक चोर सोलापुर से हिरासत में लिया गया है अन्य 5 संदिग्ध चोर सीसीटीवी में कैद हो गए। इस घटना को पूर्व नियोजित माना जा रहा है।

बतादे की मुंबई के गोरेगांव निवासी अभयकुमार जैन 7 तारीख को सोलापुर से लौट रहे थे, कल्याण के बीच उनकी दो ट्रॉली बैग में रखे 5

किलो सोने और आभूषण चोरी हो गए। जैन ने कल्याण जीआरपी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई उसके बाद

रेलवे पुलिस ने तीन टीम बनाकर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज, यात्रियों और रेलवे स्टाफ से पूछताछ की जा रही है। जांच एजेंसियों का मानना है कि यह चोरी पूर्व नियोजित और संगठित गिरोह द्वारा की गई है । फिलहाल इस मामले में एक एक चोर को हिरासत में लिया गया है अन्य 5 लोगो की तलाश जारी है।

मुंबई से अयोध्या के लिए दैनिक ट्रेन चलाने की मांग बढ़ी

मुंबई। आज भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या का नाम देश विदेश में विख्यात है। यहां भगवान राम की जन्मस्थली का दर्शन करने के लिए देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से प्रति दिन हजारों लोगों का आवागमन हुआ करता है। किंतु मुंबई से अयोध्या के लिए अभी तक एक भी दैनिक ट्रेन न होने से यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। मुंबई के यात्रियों को अयोध्या जानें में हो रही परेशानी को देखते हुए मुंबई के पूर्व उप महापौर और प्रखर हिंदू वादी नेता बाबूभाई भवानजी ने रेल मंत्री अश्विन वैष्णव से मुंबई से अयोध्या के लिए दैनिक ट्रेन चलाने की मांग की है।

रेल मंत्री को दिए गए पत्र में पूर्व उपमहापौर बाबूभाई भवानजी ने बताया आज अयोध्या देश विदेश में एक केंद्र बिंदु बन चुका है। हर कोई व्यक्ति जीवन में एक बार अयोध्या धाम के दर्शन पाने की इच्छा रखता है। किंतु दुर्भाग्य की बात यह है कि मुंबई से अयोध्या के लिए एक भी दैनिक ट्रेन न होने से दर्शनार्थियों की तमन्ना पूरी नहीं हो पा रही है। ऐसे में भगवान श्री राम की जन्मस्थली का दर्शन पाने की इच्छा रखने वाले भक्तों की भावनाओं का सम्मान करते हुए रेल मंत्री अश्विन वैष्णव अयोध्या के लिए दैनिक ट्रेन चलाएं। पूर्व उप महापौर बाबूभाई भवानजी ने यह भी बताया कि वर्तमान में अयोध्या के लिए मुंबई से वाया जौनपुर के रास्ते सिर्फ एक ही साप्ताहिक ट्रेन चलाई जाती है। जिसका आरक्षण दो महीने पहले से ही बुक हो जाता है। इसी तरह वाया सुल्तानपुर के रास्ते साकेत एक्सप्रेस और एक अन्य साप्ताहिक ट्रेन कुर्ला लोकमान्य तिलक टर्मिनस से अयोध्या के लिए चलाई जाती है। इन ट्रेनों में आरक्षण मिलना यात्रियों के लिए टेढ़ी खीर साबित होता है। जबकि मुंबई से अयोध्या जानें के लिए बड़ी संख्या में लोगों को वाराणसी या प्रयागराज अथवा लखनऊ में उतरना पड़ता है। वहां से अयोध्या के लिए निजी साधन बुक करना पड़ता है। जो की काफी महंगा पड़ता है। ऐसे में अयोध्या जो की आज पूरे विश्व में एक तीर्थ स्थल के रुप में अपनी पहचान बना चुका है। रेल मंत्री अश्विन वैष्णव अयोध्या के लिए मुंबई से वंदेभारत, दुरंतों और एक दैनिक ट्रेन चलाएं ऐसी मांग मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबू भाई भवानजी ने की है।

डिजी यात्रा के उपयोगकर्ताओं की संख्या 1.9 करोड़ के पार

मुंबई। डिजी यात्रा–भारत का सेल्फ-सॉवरेन आइडेंटिटी (एसएसआई) आधारित और प्राइवेसी-बाय-डिजाइन सिद्धांतों पर निर्मित प्लेटफॉर्म–हवाई यात्रा को तेज, संपर्करहित और अधिक समावेशी बनाने की दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। अब तक 1.9 करोड़ से अधिक लोगों ने डिजी यात्रा डाउनलोड किया है और देश के 24 हवाई अड्डों पर लगभग 30% यात्री इसका उपयोग कर रहे हैं। प्लेटफॉर्म के माध्यम से अब तक 7.7 करोड़ यात्राएँ सुगमता से पूरी हो चुकी हैं। इन उपलब्धियों के साथ, डिजी यात्रा अब 2026 से वैश्विक स्तर पर इंटरऑपरेबिलिटी सक्षम करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। लक्ष्य है कि 2028 तक 80% हवाई यात्री डिजी यात्रा का उपयोग करें। डिजिटल पहुंच और उपयोग में तेजी लाने के उद्देश्य से प्लेटफॉर्म ने छह भारतीय भाषाओं में अपना बीटा संस्करण लॉन्च किया है। भाषिणी के सहयोग से शुरू की गई यह सुविधा जल्द ही भारत की सभी 22 आधिकारिक भाषाओं में उपलब्ध होगी। यह पहल नागरिक उड्डयन मंत्रालय के उस विजन को समर्थन देती है जिसमें भाषा-बाधाओं को दूर कर डिजिटल यात्रा को मेट्रो शहरों से आगे देशभर में अपनाने को बढ़ावा दिया जा रहा है।डिजी यात्रा अब अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के लिए भी पायलट चरण में प्रवेश कर चुका है। प्लेटफॉर्म ने पहला वैश्विक उपयोगकर्ता पंजीकरण पूरा किया है और पासपोर्ट-आधारित डिजिटल प्रमाणीकरण पर परीक्षण शुरू कर दिया है। इससे भविष्य में प्रवासी भारतीय, एनआरआई और विदेशी यात्री मैनुअल जांच के बजाय डिजिटल पहचान सत्यापन का उपयोग कर सकेंगे।इस उद्देश्य को सक्षम करने के लिए डिजी यात्रा विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय, इमिग्रेशन ब्यूरो, आईसीएओ और आईएटीए के साथ वन आईडी प्रोग्राम के अंतर्गत मिलकर कार्य कर रहा है। इन प्रयासों से पासपोर्ट और वीजा आधारित डिजिटल क्रेडेंशियल साझा करने, स्वचालित सीमा नियंत्रण प्रणाली और अगले वित्त वर्ष से शुरू होने वाले अंतरराष्ट्रीय पायलट ट्रायल का ढांचा तैयार किया जा रहा है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

खेतासराय पुलिस ने टप्पेबाजी गिरोह का किया पदार्फाश

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा टप्पेबाजी गिरोह का

पदार्फास कर 03 टप्पेबाजो को गिरफ्तारी कर मुकदमे का 24 घण्टे के अन्दर सफल अनावरण करते हुये कागज व तफ्ती के कथित रुपए का बंडल किया बरामद कर आरोपी का किया चालान। डा0 कौस्तुभ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा जनपद मे अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में व अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के निकट पर्यवेक्षण में प्रदीप कुमार सिंह थानाध्यक्ष खेतासराय के कुशल नेतृत्व में थाना खेतासराय की पुलिस टीम द्वारा थाना खेतासराय अन्तर्गत दिनांक- 02.12.2025 को हुई टप्पेबाजी की घटना के सम्बन्ध में आवेदिका द्वारा दिनांक-09.10.2025 को दी गयी सूचना के आधार पर पंजीकृत मु0अ0सं0 245/2025 धारा 316(2)/318(4) बी.एन.एस. बनाम 03 अज्ञात से सम्बन्धित आरोपियों को सीसीटीबी फूटेज की मदद व मुखबीर खास की सूचना से आज दिनांक 10.12.2025 को आरोपीगण, अरबिन्द कुमार यादव पुत्र लालबहादुर यादव निवासी सिंगारपुर थाना दीदारगंज आजमगढ, विमल कुमार पुत्र अच्छेलाल निवासी फदगुहिया थाना फूलपुर जनपद आजमगढ, मनोज कुमार पुत्र जालिम निवासी सिंगारपुर थाना दीदारगंज आजमगढ को रेलवे स्टेशन खेतासराय के पीछे आईडियल स्कूल के पास से समय करीब 8.30 बजे गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कागज व दफ्ती के कथित रुपए की एक गड्डी तथा टप्पेबाजी कर प्राप्त गहनो को बेचकर प्राप्त धन में से 5000 नगद रुपए बरामद करते हुये घटना का सफल अनावरण किया गया आरोपीगण की गिरफ्तारी कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार शुदा आरोपी का चालान सम्बन्धित न्यायालय चालान किया जा रहा है।

उच्च दक्षता वाले फंक्शनल मटेरियल्स का विकास समय की मांग: कुलपति

- पीयू में 'एडवांस्ड फंक्शनल मैटेरियल्स' पर राष्ट्रीय सेमिनार सम्पन्न
- ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए नवीन पदार्थों के विकास पर विशेषज्ञों ने रखे विचार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के सेंटर फॉर रिन्यूएबल एनर्जी एवं प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिक विज्ञान अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा 'एडवांस्ड फंक्शनल मैटेरियल्स फॉर एनर्जी एप्लिकेशंस' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का सफल आयोजन बुधवार को किया गया। सेमिनार विश्वविद्यालय को प्राप्त DST–PURSE परियोजना के अंतर्गत आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उच्च दक्षता वाले फंक्शनल मटेरियल्स का विकास समय की मांग है। ऐसे पदार्थ ऊर्जा उपकरणों के स्वदेशी निर्माण को बढ़ावा देंगे और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को सुदृढ़ करेंगे।

कार्यक्रम के स्वागताध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने फंक्शनल एवं नैनोस्ट्रक्चर्ड पदार्थों की ऊर्जा तकनीकों में बढ़ती उपयोगिता पर प्रकाश डाला। विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. राजेश शर्मा ने सूक्ष्मजीवी प्रणालियों से ऊर्जा उत्पादन की संभावनाओं को ऊर्जा क्षेत्र का उभरता पहलू बताया। अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. देवराज सिंह ने भारतीय परिप्रेक्ष्य में सौर ऊर्जा दोहन को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की कुंजी बताया।

तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञों ने विभिन्न शोध विषयों पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किए। प्रो. मृगेन्द्र दुबे ने सॉफ्ट पदार्थों के ऊर्जा अनुप्रयोगों पर चर्चा की। प्रो.ओ.पी. सिन्हा ने सब्जियों व जैविक अपशिष्टों से सुपरकैपेसिटर विकसित करने की संभावनाओं का उल्लेख किया। प्रो.एस.एन. पांडेय ने सुपरकैपेसिटर व बैटरियों हेतु उन्नत पदार्थों के गुणधर्मों पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. उपेन्द्र कुमार ने फ्यूल सेल निर्माण और हाइड्रोजन ऊर्जा में फंक्शनल मटेरियल्स की भूमिका पर व्याख्यान दिया।

इस अवसर पर डीएसटीझ पर्स परियोजना कार्यान्वयन समूह के डॉ. पुनीत धवन, डॉ. आलोक कुमार, डॉ. रमांशु सिंह, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. दिनेश वर्मा सहित संस्थान के प्रो. गिरधर मिश्रा, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. शशिकांत एवं डॉ. प्रमोद कुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा के प्रो.ओ.पी. सिन्हा, एम.एन.एन.आई.टी. प्रयागराज के प्रो.एस.एन. पांडेय, आई.आई.टी. इंदौर के प्रो. मृगेन्द्र दुबे तथा आई.आई.आई.टी. प्रयागराज के डॉ. उपेन्द्र कुमार ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भाग लिया।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. धीरेंद्र कुमार चौधरी ने सेमिनार की रूपरेखा एवं परियोजना की उपलब्धियों पर जानकारी दी। संचालन डॉ. काजल कुमार डे ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुजीत के. चौरसिया ने दिया। सेमिनार में विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी व लगभग 300 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लाइन बाजार पुलिस ने दहेज हत्या की वांछित महिला सहित चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह के नेतृत्व में उ0नि0 रामभरोसे राम मय हमराह हे0का0 जितेन्द्र कुमार यादव, हे0का0 विनश शंकर चौधरी व म0आ0 आरती सिंह द्वारा दहेज हत्या से सम्बन्धित अभियोग में

वांछित आरोपीगण का पतारसी सुरागरसी वाहन चेकिंग के दौरान मुखबीर खास की सूचना पर वांछित आरोपीगण, विशाल पुत्र अशोक कन्नौजिया, अशोक कन्नौजिया पुत्र स्व0 मानिकचन्द, अनुज पुत्र अशोक कन्नौजिया निवासीगण कलीचाबाद थाना लाइन बाजार जनपद जौनपुर, कुसुम पत्नी अशोक कन्नौजिया निवासी कलीचाबाद थाना लाइनबाजार जनपद जौनपुर को मुरादगंज तिराहे के पास से हिरासत पुलिस में लिया गया। अग्रिम विधिक कायार्वाही कर माननीय न्यायालय चालान कर भेजा गया।

प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर पुरूष/महिला बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी ने अवगत कराया है कि खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के तत्वावधान में खेल विभाग उ0प्र0 एवं उ0प्र0 बॉक्सिंग संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर पुरूष बॉक्सिंग प्रतियोगिता 16 से 19 दिसम्बर, 2025 तक तथा प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर महिला बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन 21 से 24 दिसम्बर, 2025 तक क्षेत्रीय खेल कार्यालय, लखनऊ में किया जा रहा है। उक्त के क्रम में जनपद जौनपुर के सीनियर पुरूष/महिला बॉक्सिंग खिलाड़ियों का जनपदीय चयन/परीक्षण 12 दिसम्बर 2025 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में किया जायेगा। जनपद स्तर पर चयनित सीनियर पुरूष/महिला बॉक्सिंग खिलाड़ी ही 13 दिसम्बर, 2025 को आयोजित मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स, जो डॉ0 सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स सिगरा, वाराणसी में प्रातः 10.00 बजे से किया जायेगा, में प्रतिभाग करेंगे। मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स उपरान्त मण्डल की टीम का गठन किया जायेगा, मण्डल स्तरीय टीम ही प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। उक्त प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर पुरूष/महिला बॉक्सिंग प्रतियोगिता में वही खिलाड़ी भाग ले सकते हैं जिनकी आयु 19 से 40 वर्ष के मध्य हो। आयु से सम्बन्धित मूल अभिलेख चयन/परीक्षण के समय प्रस्तुत करना होगा। भार वर्ग निम्नानुसार है- सीनियर पुरूष बॉक्सिंग भार वर्ग- 46-48, 48-51, 51-54, 54-57, 57-60, 60-63.5, 63.5-67, 67-71, 71-75, 75-80, 80-86, 86-92 प्लस किग्रा0 सीनियर महिला बॉक्सिंग भार वर्ग- 45-48, 48-50, 50-52, 52-54, 54-57, 57-60, 60-63, 63-66, 66-70, 70-75, 75-81, 81 प्लस किग्रा0 है।

वृद्ध विधवा महिला का मकान दबंगों ने गिराया

दिनेश विश्वकर्मा, मीरगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मीरगंज थाना क्षेत्र के करियांव गांव में एक 65 वर्षीय विधवा महिला का मकान गांव के दबंगों द्वारा गिराए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता अनीशा बानो पत्नी स्व. नईमुद्दीन ने पुलिस अधीक्षक जौनपुर को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, पीड़िता का मकान अराजी

संख्या 1020 पर पिछले लगभग 40 वर्षों से पक्का बना हुआ था और वह वहीं पर आबाद होकर रह रही थीं। घटना 9 दिसंबर 2025 दोपहर करीब 1 बजे की बताई जा रही है। आरोप है कि गांव के ही असलम पुत्र शेरअली, अरशद एवं आसिफ पुत्रगण असलम ने अचानक पीड़िता के घर की दीवार पर हथौड़ों से तोड़फोड़ शुरू कर दी। जब अनीशा बानो ने इसका विरोध किया तो विपक्षीगण ने उन्हें गाली-गलौज करते हुए मकान को पूरी तरह गिरा दिया और अंदर रखे सामान को भी नुकसान पहुंचाया। पीड़िता के अनुसार कुछ कीमती सामान भी लूट लिया गया। घटना के बाद पीड़िता ने तत्काल 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। डायल-112 की टीम मौके पर पहुँची और दोनों पक्षों को थाने ले गई। लेकिन पीड़िता का आरोप है कि थाना मीरगंज पुलिस द्वारा अभियुक्तों के खिलाफ FIR दर्ज नहीं की गई और न ही उनकी कोई सहायता की गई। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से आग्रह किया है कि मीरगंज थाना प्रभारी को उचित कार्रवाई के लिए निर्देशित किया जाए ताकि उन्हें न्याय मिल सके।

कर्मचारी संघ चुनाव के लिए हुआ नामांकन

- नाम वापसी 12 और चुनाव 15 को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में कर्मचारी संघ चुनाव 2025 के नामांकन जारी कर दिए गए हैं। नाम वापसी 12 दिसंबर को और मतदान 15 दिसंबर को होगा। अध्यक्ष पद के लिए डॉ स्वतंत्र कुमार और वारिंद्र यादव ने नामांकन किया है। उपाध्यक्ष पद हेतु सुशील कुमार प्रजापति, धीरज कुमार श्रीवास्तव, हेमंत कुमार दूबे उम्मीदवार हैं। महामंत्री पद के लिए राधेश्याम सिंह, ऋषि रघुवंशी और जैसलाल यादव ने नामांकन किया हैं। संयुक्त मंत्री के पद के लिए कैलाश नाथ यादव और श्री दूधनाथ यादव मैदान में हैं। कोषाध्यक्ष पद का एकमात्र उम्मीदवार उमाशंकर यादव हैं। सदस्य पद के लिए 11 उम्मीदवारों ने नामांकन भरा है, जिनमें बृजेश कुमार सिंह, दिनेश कुमार यादव, मनु मिश्रा, विनोद कुमार गौतम, छोटे लाल यादव, विजय कुमार यादव, डॉ .दिलगीर हसन, दो बार अनिल कुमार सिंह (वित्त एवं कु. कार्य), डॉ. प्रमोद कुमार विश्वकर्मा, और अखिलेश कुमार शुक्ला शामिल हैं। आगामी चुनाव में कर्मचारी संघ के पदाधिकारी चुने जाएंगे। नामांकन चुनाव अधिकारी प्रो. सुरजीत यादव, प्रो. प्रदीप कुमार, डॉ.नीतेश जायसवाल की देखरेख में हुआ। चुनाव अधिकारी ने कहा कि सभी यूनिवर्सिटी कर्मचारी चुनाव प्रक्रिया में शांतिपूर्ण ढंग से सक्रिय भागीदारी करें।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने मण्डल प्रभारी एवं मोर्चा के अध्यक्ष संग बैठक कर पार्टी को गति प्रदान करने का किया कार्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भाजपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति की अध्यक्षता में स्नातक निर्वाचन मतदाता समीक्षा को लेकर दो बैठक हुई। पहली बैठक मै मण्डल प्रभारी की दूसरी सभी मोर्चा के अध्यक्ष और उनकी टीम को लेकर बैठक हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हर कार्यकर्ता को ज्यादा से ज्यादा निर्वाचन फॉर्म भरने की जिम्मेदारी है, जिससे कार्यकर्ता के कार्यो की पहचान भी होती है। पदाधिकारी एवं कार्यकताओं से निर्वाचन फॉर्म के आवेदनों की जानकारी ली कि किसने कितने फॉर्म अभी तक जमा किए हैं, जिन लोगों ने अभी तक फॉर्म भरकर जमा नहीं किया वह शीघ्र जमा करवाए। उन्होंने सभी कार्यकताओं से मतदाता पंजीकरण अभियान में पूरी निष्ठा से जुटने का आह्वान किया मतदाता फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 16 दिसंबर है, इसलिए सभी कार्यकर्ता तेजी से जनसंपर्क कर योग्य मतदाताओं को जोड़ें। उन्होंने बूथ स्तर पर संगठनात्मक शक्ति को मजबूत करने पर भी जोर दिया। उन्होंने पार्टी के हर सदस्य से अपने संपर्क क्षेत्रों, विशेषकर विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में जाकर अधिक से अधिक योग्य मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने इस चुनाव को केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि संगठन की एकजुटता और शक्ति का प्रदर्शन बताया।

उन्होंने मंडल प्रभारियों को निर्देश दिया कि कल दिनांक 11 दिसम्बर को शाम तीन बजे अपने अपने मंडल पर एक साथ बैठक रखे जिसमें मुख्य रूप से मण्डल पदाधिकारी और शक्ति केंद्र संयोजक उपस्थित रहे और मोर्चा के अध्यक्षों से निवेदन किया कि प्रत्येक मंडल पर अपने अपने कार्यकर्ता भी लगाए ताकि स्नातक फॉर्म भरने में तेजी आए। उन्होंने भाजपा कार्यकताओं से मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग देने और सभी पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल करने में पूरी सहायता करने का आह्वान किया। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों को भी मतदाता सूची को शुद्ध और सटीक बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उक्त अवसर पर जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता, पूर्व जिला उपाध्यक्ष पंकज मिश्रा, संदीप तिवारी, अवधेश यादव, धन्नजय सिंह, आमोद सिंह, अर्चना शुक्ला, नरेंद्र उपाध्याय, अनिल गुप्ता, रागिनी सिंह, अजय सरोज, दिव्यांशु सिंह, सुरेश धुरिया, मेराज हैदर, संजीव शर्मा, संजय पाठक, इंद्रसेन सिंह, घनश्याम यादव, संतोष गुप्ता, राजकुमार जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

स्कूल बस की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

एक गंभीर रूप से घायल, बस समेत चालक पुलिस हिरासत में

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के हौज टोल

प्लाजा के पास आज बुधवार की सुबह लगभग 8:00 बजे बाइक सवार दो सगे भाई प्राइवेट स्कूल प्रकाश ग्लोबल स्कूल बस नंबर (यूपी62 सीटी 8631)जफराबाद सामने से टक्कर हो गई जिसमें बाइक चला रहा अरुण यादव 22 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका सगा छोटा भाई सूरज यादव 17 वर्ष मौके पर मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह दोनों सगे भाई अपने घर ग्राम दौलतपुर थाना पूराकलंदर अयोध्या से किसी काम से सुबह 6:00 बजे अपने घर से निकले थे जैसे ही वह हाईवे से सटे हुए बाईपास जो जाफराबाद रोड जाती है वहीं सामने टक्कर हो गई। जिसमें अरुण यादव की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्हें वाराणसी रेफर कर दिया गया है। सूरज यादव की मौके पर मौत हो गई सूरज यादव कक्षा 9 का छात्र था। वह चार भाई थे जिसमें सूरज सबसे छोटा बेटा था मौत खबर सुनते ही पिता का रो रो के बुरा हाल हो गया है। जलालपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मानवाधिकारों की समझ ही सशक्त समाज की आधारशिला: प्रो.विनोद कुमार

विश्व मानवाधिकार दिवस पर किया गया जागरूकता कार्यक्रम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि

संस्थान के मूट कोर्ट हॉल में बुधवार को विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में मानवाधिकारों की संवैधानिक, सामाजिक एवं वैश्विक समझ विकसित करना तथा समकालीन परिप्रेक्ष्य में उनकी प्रासंगिकता पर विचार-विमर्श करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष एवं निदेशक प्रो. विनोद कुमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि मानवाधिकार केवल कानूनी अवधारणा नहीं, बल्कि सशक्त, न्यायपूर्ण और समावेशी समाज की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा, स्वतंत्रता और समानता की रक्षा तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब समाज में मानवाधिकारों को लेकर जागरूकता एवं संवेदनशीलता दोनों विकसित हों। प्रो. विनोद कुमार ने कहा कि डिजिटल युग में मानवाधिकारों से जुड़े प्रश्न और चुनौतियाँ लगातार जटिल होते जा रहे हैं। साइबर अपराध, डेटा गोपनीयता, डिजिटल स्वतंत्रता तथा अभिव्यक्ति के अधिकार जैसे मुद्दों पर विधि के विद्यार्थियों को न केवल गहन समझ विकसित करनी चाहिए, बल्कि समाज को सही मार्गदर्शन देने की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए।

इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों ने मानवाधिकारों से संबंधित राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय कानूनी प्रावधानों, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका तथा व्यावहारिक संरक्षण उपायों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में डॉ. वनिता सिंह, डॉ. अनुराग मिश्र, मंगला प्रसाद यादव, डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. इंद्रजीत कुमार, श्रीप्रकाश यादव, डॉ. रजित राम सोनकर, डॉ. राहुल कुमार राय, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. अंकित कुमार, डॉ. राजन तिवारी, जीशान अली सहित संस्थान के अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

धोखाधड़ी मामले में दो कर्मचारी गिरफ्तार, मानीकलां गांव की संपत्ति हड़पने और फर्जी आदेश बनाकर लाभ लेने का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय पुलिस ने धोखाधड़ी और फजीवाड़े एक मामले में दो वांछित आरोपियों को बुधवार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया यह कार्रवाई थाना अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई पुलिस ने कृष्ण मुरारी और बलराम मौर्य को कलेक्टर परिसर से पकड़ा। कृष्ण मुरारी सुल्तानपुर के सकरदेह गांव के निवासी हैं और चकबंदी कार्यालय के कर्मचारी है जबकि बलराम मौर्य अंबेडकर नगर के कोडरा कला गांव के निवासी और चकबंदी कार्यालय के पूर्व पेशकार है जांच में सामने आया कि दोनों आरोपियों ने मानीकला गांव की जमीन पर कब्जा करने के लिए फर्जी दस्तावेज और आदेश तैयार किए थे उन्होंने राजस्व अभिलेखों में छेड़छाड़ कर एक प्रार्थी की संपत्ति हड़पने की योजना बनाई थी।

आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 419 420 467 468 471 386 504 506 120 बी और 409के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है पुलिस की समय पर की गई कार्रवाई से बड़े नुकसानों को डाला जा सका इस गिरफ्तारी अभियान में उप निरीक्षक शैलेंद्र कुमार राय हेड कांस्टेबल प्रदीप कुमार सिंह कांस्टेबल जितेंद्र यादव कांस्टेबल बृजेश कुमार और कांस्टेबल देवी प्रसाद चौहान शामिल है गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आरोपी कृष्ण मुरारी अनुचर चकबंदी अधिकारी कार्यालय बदलापुर पुत्र स्वर्गीय रामानंद निवासी सकरदेह थाना करौदी कला सुल्तानपुर आरोप, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और अभिलेखों में हेर फेर की साजिश में शामिल बलराम मौर्य तत्कालीन पेशकार चकबंदी अधिकारी बदलापुर पुत्र स्वर्गीय खुडभुड़ मौर्य निवासी कोडरा कला थाना जैतपुर अंबेडकर नगर आरोप फर्जी आदेश तैयार कर राजस्व रिकॉर्ड में अनुचित लाभ पहुंचाना आपराधिक साजिश।

गली बंद करने को लेकर बवाल, दबंगों ने पति-पत्नी पर किया हमला, गांव में दहशत

मो.असलम खान

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के धरौरा गांव में रास्ता बंद करने को लेकर शुरू हुआ विवाद मंगलवार को हिंसक संघर्ष में बदल गया। आरोप है कि गांव के तीर्थराज दुबे एवं उनके परिवारजन उस 10 फीट की गली को ईंटों से पाटकर बंद कर रहे थे, जो पवन दुबे के आवागमन के लिए छोड़ी गई थी। जब पवन दुबे ने इसका विरोध किया, तो बात बढ़ते-बढ़ते मारपीट तक जा पहुँची।

पथराव और लाठी-डंडों से हमला, पवन दुबे गंभीर घायल: विरोध करने पर तीर्थराज दुबे के पक्ष के करीब आधा दर्जन पुरुष-महिलाओं ने अचानक ईंट, पत्थर और लाठी-डंडों से पवन दुबे व उनके परिवार पर हमला कर दिया। हमले में पवन दुबे गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं पथराव के दौरान तीर्थराज दुबे को भी चोटें आईं, जिससे गांव का माहौल तनावपूर्ण हो गया।

महिला का मोबाइल छीना, वीडियो बनाने पर बरपा गुस्सा: मामले की वीडियो बना रही पवन दुबे की पत्नी प्रियंका दुबे का मोबाइल फोन हमलावरों ने छीन लिया। प्रियंका ने बताया कि दबंग पक्ष लगातार धमकी दे रहा था और उनके परिवार को जान-माल का खतरा बना हुआ है।

पुलिस पहुँची, लेकिन मुख्य आरोपी फरार: घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल पवन दुबे को थाने ले गई। लेकिन मुख्य आरोपी तीर्थराज दुबे घटनास्थल से फरार हो गए, जिससे ग्रामीणों में और ज्यादा रोष फैल गया।

तीन घंटे बाद फिर हमला, घर में घुसने की कोशिश: मामला यहीं खत्म नहीं हुआ। करीब तीन घंटे बाद तीर्थराज दुबे के ससुराल पक्ष से कई युवक धरौरा गांव पहुंचे और पवन दुबे के घर पर दूसरा हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने प्रियंका दुबे को घर के भीतर घुसकर पीटने का प्रयास किया, लेकिन पड़ोसियों के घेराबंदी करने से वे भागने में सफल हो गए।

भारी पुलिस बल तैनात, महिलाओं के बयान दर्ज: दूसरी घटना के बाद भारी पुलिस बल तैनात किया गया, लेकिन तब तक हमलावर मौके से फरार हो चुके थे। पुलिस ने प्रियंका दुबे और उनकी सास को बयान दर्ज करने के लिए थाने बुलाया है। फिलहाल गांव में तनाव बना हुआ है और लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

ग्रामीणों की मांग–सख्त कार्रवाई हो: लगातार दो हमलों और बढ़ती गुंडागर्दी से गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि आरोपितों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि इलाके में शांति बहाल हो सके और पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।

शिफा मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल
मानीकलॉ, जौनपुर
निःशुल्क मेगा कैम्प
(डायबटीज एवं हड्डी रोग)
23 दिसम्बर 2025, दिन मंगलवार, प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक
Dr. MOHD CHAND BAGWAN
MBBS, DNB (MD)
PDCC-CRITICAL CARE MEDICINE
CCEBDM (DIABETES)
डायबटीज, चेस्ट एवं हृदय रोग विशेषज्ञ
Dr. ABU FAISAL
MBBS, D. Ortho (Lko), DNB (Ortho)
PGDS (Orthopedic) Surgeon
गोल्ड मेडलिस्ट
(हड्डी, जोड़ एवं नस रोग विशेषज्ञ)
मो0 नं0 7380850571 पर सम्पर्क कर एक दिन पहले रजिस्ट्रेशन करायें और इस अवसर का लाभ उठाएं।
डा0 मोहम्मद अकमल
(डायरेक्टर)
शिफा हास्पिटल, मानीकलॉ, जौनपुर-9451610571
अन्य ब्लड जॉच पर 50% डिस्काउन्ट

OPD Fee	Free
Cholesterol	150/-
HbA1C	700/-
BMD	1500/-
PFT(Asthma)	1500/-
TSH	250/-
Sugar	50/-
Diet Councelling	200/-
Neuropathy	1000/-
Uric Acid	100/-
RA	150/-
TOTAL AMOUNT	5600/- Free

BAJAJ
ए. एम. बजाज

प्रो अब्दुल माजिद | मानी कलां, गुरैनी रोड, जौनपुर- 222139 | 9621032024, 9651316060, 9621139686

पूर्व विधायक दिनेश चौधरी प्रांतीय परिषद के सदस्य निर्वाचित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विधानसभा क्षेत्र केराकत के पूर्व विधायक सम्माननीय श्री दिनेश चौधरी को भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश संगठन द्वारा प्रांतीय परिषद का सदस्य निर्वाचित किया गया है। उनके मनोनयन की सूचना मिलते ही समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर दौड़ गई। क्षेत्रवासियों ने चौधरी को बधाइयाँ देते हुए आशा व्यक्त की कि वे संगठन में अपनी नई भूमिका का निर्वहन पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ करेंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें प्रांतीय परिषद का सदस्य बनाए जाने के लिए भारतीय जनता पार्टी संगठन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों की ओर से भी पूर्व विधायक को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी जा रही हैं।

आज के युग में डिजिटल और साइबर ज्ञान जरूरी: डॉ अभय

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज शहर के गोरख सिंह कॉलेज में विद्यार्थियों के तकनीकी युग में डिजिटल हिंसा से सुरक्षा एवं जागरूकता विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम का डॉ अभय कुमार, ए.एन. प्रभाग के सह निदेशक वीणा सिन्हा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो मुरारी कुमार ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम से ही समाज में साइबर अपराध को कम किया जा सकता है तथा डिजिटल क्रांति के सपने को साकार किया जा सकता है। कार्यक्रम में प्रो धीरेंद्र सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आईटी की विभिन्न धाराओं से छात्र छात्राओं को अवगत कराया। उन्होंने साइबर अपराध से बचने के लिए अनेक अत्यंत महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए, आज के दौर में साइबर अपराध कभी भी किसी के साथ हो सकता है इसलिए आवश्यक है कि हम सभी जागरूक हों। कार्यक्रम में प्रो विजय चौधरी ने विद्यार्थियों को चुनौतियों विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए बताया कि आज के दौर में रोजगार का स्वरूप बदलता जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से रोजगार पाने की नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बनने की अपील की। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राध्यापक व भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

स्कूल व मदरसा से 91 लाख की वसूली न करने पर एसडीएम का आधा वेतन रोकने का आदेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सड़क दुर्घटना के तीन मामलों में स्कूल व मदरसा से 91 लाख रुपए की क्षतिपूर्ति की धनराशि की वसूली न करने पर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के जज मनोज कुमार अग्रवाल ने उपजिलाधिकारी का आधा वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने का आदेश जिलाधिकारी को दिया। तीनों दुर्घटना सिपाह स्थित स्कूल व मदरसा के वाहनों से हुई थी। जरिए प्रबंधक अनवार अहमद काजमी कई बार कोर्ट ने आरसी जारी किया लेकिन वसूली नहीं की गई। स्पष्टीकरण मांगने के बावजूद आदेश का अनुपालन नहीं किए जाने पर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया। बता दें कि कोतवाली थाना क्षेत्र के सिपाह निवासी 60 वर्षीय प्राथमिक विद्यालय के अध्यापक मिठाई लाल की जामिया मोमिना लिल बनात' मदरसे की टाटा मैजिक की लापरवाही से मॉर्निंग वॉक के समय हीरा पैलेस के पास सड़क दुर्घटना में मौत हुई थी परिजनों ने अधिवक्ता हिमांशु श्रीवास्तव के माध्यम से मदरसा के खिलाफ जरिए प्रबंधक अनवार अहमद काजमी व ड्राइवर शाह आलम के खिलाफ क्षतिपूर्ति का मुकदमा दाखिल किया था जिसमें 29 अप्रैल 2023 को ट्रिब्यूनल ने मदरसे के प्रबंधक अनवार अहमद को मृतक के परिजनों को क्षतिपूर्ति अदा करने का आदेश दिया था जो ब्याज सहित 39 लाख रुपए है इसी प्रकार सरपतहा के कम्मरपुर निवासी रामजीत सिंह की मोटरसाइकिल से जाते समय इसी मदरसे के स्कूल बस से सिद्दीकपुर पेट्रोल पंप के पास दुर्घटना हुई थी जिससे वह घायल हो गए थे इसमें भी कोर्ट ने 20 सितंबर 2022 को क्षतिपूर्ति का आदेश दिया था जो धनराशि अब ब्याज सहित 25 लाख रुपए है। सरायख्वाजा के भदेठी गांव निवासी छात्र उमर खान को सिपाह स्थित मदर आयशा चिल्ड्रेन एकेडमी स्कूल बस से उतरते समय गंभीर चोटें बस की उपेक्षा से आई थीं इसमें भी स्कूल प्रबंधक अनवार अहमद को 30 सितंबर 2022 क्षतिपूर्ति का आदेश दिया गया था जो धनराशि ब्याज सहित 27 लाख रुपये है। तीनों मामलों में क्षतिपूर्ति अदा न करने पर कोर्ट ने स्कूल व मदरसा के प्रबंधक के खिलाफ जरिए कलेक्टर आरसी जारी किया था। आदेश का अनुपालन न होने पर कोर्ट ने अधिवक्ता के प्रार्थना पत्र पर उप जिलाधिकारी का आधा वेतन रोकने का आदेश दिया है।

तहसील गेट पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील मछलीशहर गेट के सामने मुख्य मार्ग पर प्रतिदिन लगने वाली भीषण जाम अब केवल लोक-समस्या नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का जीवंत प्रमाण बन चुका है। हालात इतने विकट हो गए हैं कि दो से तीन घंटे तक रास्ता अवरुद्ध रहना यहाँ की सामान्य दिनचर्या का हिस्सा हो गया है। एंबुलेंस, स्कूली बच्चे, परीक्षार्थी और आम नागरिक—सभी इस अव्यवस्था का प्रतिदिन शिकार बन रहे हैं। ऐसी जाम की समस्या को लेकर नगर पंचायत मछलीशहर भी कम दोषी नहीं है। समय-समय पर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए थी जो कभी नहीं होती। सड़कों पर अतिक्रमण का खुला उल्लंघन, पुलिस मूक दर्शक: नागरिकों का आरोप स्थानीय निवासियों के अनुसार सड़क के दोनों ओर ठेला-खोमचा संचालकों और दुकानदारों ने मनमाने ढंग से अतिक्रमण कर लिया है और दुकानदार वाहन हटाने को कहते हैं तो मारपीट की नौबत आ जाती है। वहीं टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर चालकों द्वारा दोनों ओर वाहन खड़े कर दिए जाने से सड़क का वास्तविक उपयोग लगभग समाप्त हो जाता है। नागरिकों का स्पष्ट आरोप है कि ट्रैफिक पुलिस की लगातार अनुपस्थिति तथा प्रशासन की उदासीनता के कारण स्थिति दिन-ब-दिन भयावह होती जा रही है कुछ लोगों ने यह भी कहा कि यह परिस्थिति किसी भी संवेदनशील न्यायिक टिप्पणी के कसौटी पर खरा उतरे तो इसे पुलिस की कर्तव्य हीनता का प्रत्यक्ष उदाहरण माना जाएगा। स्कूली बच्चों और मरीजों का जीवन दाँव पर, अभिभावकों में आक्रोश वाहनों की अचाह भीड़ के बीच स्कूल जाने वाले बच्चों और परीक्षार्थियों को अक्सर घंटों तक इंतजार करना पड़ता है। कई बार बच्चे अपने परीक्षा-केंद्रों तक समय पर नहीं पहुँच पाते। वहीं एंबुलेंस अक्सर जाम में फँस जाती हैं, जिससे मरीजों की जान तक जोखिम में पड़ जाती है—यह गंभीर स्थिति किसी भी संवेदनशील प्रशासन के लिए चेतावनी साबित हो सकती है न्यायालय जैसी सख्त व्यवस्था की माँग: नागरिकों की आवाज हुई बुलंद। क्षेत्रवासियों ने कहा कि यदि सड़क से नियमित अतिक्रमण हटाने, नो-पार्किंग जोन लागू करने, और ट्रैफिक पुलिस की सतत तैनाती की व्यवस्था सुनिश्चित न की गई, तो यह मामला उच्च अधिकारियों के समक्ष न्यायिक हस्तक्षेप के लिए ले जाना अनिवार्य हो सकता है लोगों ने प्रशासन से यह भी अपेक्षा जताई है कि यातायात की व्यवस्था को न्यायालय जैसी सख्ती के साथ लागू किया जाए, अन्यथा स्थिति किसी बड़े हादसे का रूप ले सकती है सीनियर रिपोर्टर टिप्पणी- मछलीशहर की यह व्यवस्था केवल स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि यह इस बात का प्रतीक है कि प्रशासनिक तंत्र जब अपने मूल दायित्वों से विमुख होता है, तब एक आम सड़क भी नागरिकों के लिए कानूनी संघर्ष का मैदान बन जाती है इस मुद्दे का समाधान केवल कार्रवाई से नहीं, बल्कि दृढ़ इच्छा शक्ति और जवाबदेही से संभव है।

लंबित कांडों के निष्पादन में तेजी लाने और गश्त बढ़ाने का निर्देश

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बुधवार को अपराह्न में बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडलीय पुलिस कार्यालय में क्राइम मीटिंग की बैठक की गई। जिसकी अध्यक्षता एसडीपीओ अमन कुमार ने की। एसडीपीओ ने अधीनस्थ पुलिस पदाधिकारियों को अपराध नियंत्रण एवं विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए टास्क सौंपा। कहा कि सर्द मौसम में चोरी की घटना बढ़ जाती है। इस लिए सभी थानाध्यक्ष अपने-अपने इलाके में रात्रि गश्ती पर फोकस करे। पैदल गश्ती भी कराएं। गश्ती की नियमित जांच-पड़ताल भी करते रहे। साथ ही उन्होंने लम्बित कांडों के निष्पादन, फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अपराध पर अंकुश लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ड्यूटी में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने पिछले 5 महिना के उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड भी जारी किया, कहा आप लोगों ने पिछले माह में हत्या, चोरी, सड़क हरकत, दहेज हत्या में आरोपियों को गिरफ्तारी में काफी सक्रियता दिखाई। एसडीपीओ ने अनुमंडल क्षेत्र के पुलिस पदाधिकारी से आशा जताई कि आने वाले दिनों में भी आपकी परफॉर्मेंस अच्छा रहेगा। एसडीपीओ अमन कुमार ने पुलिस पदाधिकारी को और बेहतर काम करने का निर्देश दिया। बैठक में सभी इंस्पेक्टर व सभी थानाध्यक्ष मौजूद थे।

राष्ट्रपति पुतिन के साथ आए डेलीगेट्स का सम्पूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय में भव्य स्वागत

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ आए प्रतिनिधि-मंडल का पारंपरिक वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मंगलवार को भव्य स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने कहा कि भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक, शैक्षिक एवं आध्यात्मिक संबंध सदियों से मजबूत रहे हैं। आज दोनों देश वैश्विक मानवता और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए कटिबद्ध हैं।

कुलपति ने कहा कि रूसी डेलीगेट्स की यह शैक्षणिक यात्रा ह्लदो संस्कृतियों के स्पंदन का अद्भुत संगमद्द है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय भारतीय संस्कृति, ज्ञान परम्परा और सनातन धर्म की गहनतम व्याख्या का प्रमुख केंद्र है, जिसे विश्वभर में सम्मान प्राप्त है। इस दौरे से भारत-रूस संबंधों में नई ऊर्जा आएगी और दोनों देशों के बीच शैक्षिक एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान और मजबूत होगा।

रूस में स्थित काल्मिक यूनिवर्सिटी, काल्मिकिया, एलिस्टा के कुलपति प्रो. बतिर एलिस्टेव, जो प्रतिनिधि-मंडल का नेतृत्व कर रहे थे, ने भारतीय संस्कृति के प्रति गहरी अभिरुचि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ह्दुनिया के सबसे प्राचीन शहरों में से एक काशी में स्थित इस प्रतिष्ठित संस्था में आकर हमें भारतीय ज्ञान परम्परा और सनातन संस्कृति को जानने का दुर्लभ अवसर मिला। यदि भारत को जानना है तो काशी और यहां पढ़ाई जाने वाली देववाणी संस्कृत के मर्म को समझना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि संस्कृत में निहित ज्ञानराशि भारतीयता, संस्कार और सांस्कृतिक मूल्यों का संपूर्ण सार प्रस्तुत करती है। यह भ्रमण भारत और रूस के दशकों पुराने संबंधों को और प्रगाढ़ करेगा।

श्रमण विद्या संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. रमेश प्रसाद ने बताया कि रूसी प्रतिनिधियों ने आज पाली और संस्कृत भाषाओं के गूढ़ रहस्यों को जाना और दोनों संस्कृतियों की समानताओं पर चर्चा की।

प्रतिनिधि-मंडल ने विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों, पुस्तकालय, वेद भवन, कुलपति कार्यालय आदि का भ्रमण किया तथा प्राचीन पांडुलिपियों और पारंपरिक शिक्षण पद्धति को देखकर अभिभूत हुए। रूसी प्रतिनिधि-मंडल में प्रमुख रूप से वासीली किश्तानोव, प्रो. जॉर्जी, प्रो. तातियाना, प्रो. स्वेतलाना, प्रो. लॉरिसा, प्रो. नतालिया सहित लगभग डेढ़ दर्जन विद्वान शामिल रहे।दोनों देशों के बीच भाषा रूपांतरण का कार्य शास्त्री ईअना चेर्णिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य डॉ. लेखमणि त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के प्रो. दयाशंकर तिवारी भी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया गया। रूसी प्रतिनिधियों ने भारतीय अध्यात्म और शैक्षणिक परंपरा की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह अनुभव उनके लिए अविस्मरणीय रहेगा।

ज्वेलर्स पर चाकू से हमला करने वाला गिरफ्तार

-मयूर सोनी

वसई रोड। वसई पूर्व के वालिव क्षेत्र में ज्वेलर्स की दुकान पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना 09 दिसंबर 2025 को सुबह करीब 11:57 बजे अंबिका ज्वेलर्स, शालीमार होटल के सामने, वालिव, वसई ईस्ट में हुई थी। घटना के अनुसार, वादी का भाई कालूसिंग खरवत दुकान में मौजूद था। उसी दौरान एक अनजान महिला, पुरुष और एक छोटा बच्चा दुकान में आए और अंगूठी दिखाने के बहाने बातचीत करने लगे। उन्होंने बच्चे के लिए पानी भी मांगा। जैसे ही कालूसिंग पानी लेने अंदर के कमरे में गया, अनजान पुरुष भी उसके पीछे कमरे में घुस गया और अपने पास रखे चाकू से उस पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए वालिव पुलिस स्टेशन में अपराध दर्ज किया गया। क्राइम ब्रांच सेल4 ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से और तकनीकी विश्लेषण व गोपनीय जानकारी के आधार पर खोजबीन शुरू की। कम समय में ही टीम ने आरोपियों का पता लगाते हुए उन्हें नासिक रोड क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर लोगों में विश्वास बढ़ा है। मामले की आगे की जांच जारी है।

मुंबई से अयोध्या के लिए दैनिक ट्रेन चलाने की मांग बढ़ी: बाबूभाई भवानजी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आज भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या का नाम देश विदेश में विख्यात है। यहां भगवान राम की जन्मस्थली का दर्शन करने के लिए देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से प्रति दिन हजारों लोगों का आवागमन हुआ करता है। किंतु मुंबई से अयोध्या के लिए अभी तक एक भी दैनिक ट्रेन न होने से यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। मुंबई के यात्रियों को अयोध्या जानें में हो रही परेशानी को देखते हुए मुंबई के पूर्व उप महापौर और प्रखर हिंदू वादी नेता बाबूभाई भवानजी ने रेल मंत्री अश्विन वैष्णव से मुंबई से अयोध्या के लिए दैनिक ट्रेन चलाने की मांग की है।

रेल मंत्री को दिए गए पत्र में पूर्व उपमहापौर बाबूभाई भवानजी ने बताया आज अयोध्या देश विदेश में एक केंद्र बिंदु बन चुका है। हर कोई व्यक्ति जीवन में एक बार अयोध्या धाम के दर्शन पाने की इच्छा रखता है। किंतु दुर्भाग्य की बात यह है कि मुंबई से अयोध्या के लिए एक भी दैनिक ट्रेन न होने से दर्शनार्थियों की तमन्ना पूरी नहीं हो पा रही है। ऐसे में भगवान श्री राम की जन्मस्थली का दर्शन पाने की इच्छा रखने वाले भक्तों की भावनाओं का सम्मान करते हुए रेल मंत्री अश्विन वैष्णव अयोध्या के लिए दैनिक ट्रेन चलाएं। पूर्व उप महापौर बाबूभाई भवानजी ने यह भी बताया कि वर्तमान में अयोध्या के लिए मुंबई से वाया जौनपुर के रास्ते सिर्फ एक ही साप्ताहिक ट्रेन चलाई जाती है। जिसका आरक्षण दो महीने पहले से ही बुक हो जाता है। इसी तरह वाया सुल्तानपुर के रास्ते साकेत एक्सप्रेस और एक अन्य साप्ताहिक ट्रेन कुर्ला लोकमान्य तिलक टर्मिनस से अयोध्या के लिए चलाई जाती है। इन ट्रेनों में आरक्षण मिलना यात्रियों के लिए टेढ़ी खीर साबित होता है। जबकि मुंबई से अयोध्या जानें के लिए बड़ी संख्या में लोगों को वाराणसी या प्रयागराज अथवा लखनऊ में उतरना पड़ता है। वहां से अयोध्या के लिए निजी साधन बुक करना पड़ता है। जो की काफी महंगा पड़ता है। ऐसे में अयोध्या जो की आज पूरे विश्व में एक तीर्थ स्थल के रुप में अपनी पहचान बना चुका है। रेल मंत्री अश्विन वैष्णव अयोध्या के लिए मुंबई से वंदेभारत , दुरंतों और एक दैनिक ट्रेन चलाएं ऐसी मांग मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबू भाई भवानजी ने की है।

सड़क पर सीवर का पानी, अश्विन सावरकर ने निगम को कराया अवगत

वसई रोड। वसई पूर्व के मानेचा पाड़ा गांव की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर पिछले कई दिनों से सीवर का पानी जमा होने से नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद वसईझविरार जिला सचिव अश्विन सावरकर ने इस गंभीर समस्या को निगम के आयुक्त के ध्यान में लाते हुए तुरंत समाधान की मांग की है। सावरकर ने बताया कि सड़क के किनारे मौजूद पुरानी सीवर लाइन ब्लॉक हो चुकी है और उसकी कैपेसिटी भी पर्याप्त नहीं है। इसी कारण सीवर का दूषित पानी सीधे सड़क पर बह रहा है, जिससे बदबू, गंदगी, मच्छरों का प्रकोप और बीमारी फैलने का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। राहगिरों, स्कूल जाने वाले बच्चों और वाहन चालकों को रोजाना भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। समस्या की गंभीरता को देखते हुए सावरकर ने नगर निगम को ऑनलाइन अर्ज भेजकर जल्द से जल्द कार्रवाई करने की अपील की है। उन्होंने सुझाव दिया है कि उस जगह नई सीवर पाइपलाइन बिछाई जाए, ब्लॉक लाइन को हटाकर सही बाईपास लाइन तैयार की जाए, ताकि पानी सड़क पर वापस न आए और नागरिकों को राहत मिल सके। अश्विन सावरकर ने भरोसा जताया कि वसईझविरार नगर निगम इस मुद्दे पर सकारात्मक निर्णय लेकर त्वरित कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि यदि समय पर समाधान किया गया तो मानेचा पाड़ा के हजारों नागरिकों की परेशानी दूर होगी और वे स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण में जीवन जी सकेंगे।

शिव विवाह का दिव्य उत्सव, भक्तों ने की आनंदमयी सहभागिता

रामकुमार गुप्ता

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। सनातन एकता सेवा संघ एवं सुगम्या फाइनेंस द्वारा हाई टेक मुरधवा समन्वय परिवार प्रांगण में आयोजित श्रीमद भागवत कथा के तीसरे दिवस कि कथा में श्रीधाम वृंदावन से पधारे प्रसिद्ध कथा वाचक पूज्य स्वामी अखिलेश्वरानंद जी महाराज ने भगवान शिव और माता पार्वती के पावन विवाह की अलौकिक कथा का अमृतपान कराते हुए कहा कि संसार के समस्त पापों का नाश नाम जप से हो जाता हैं। कार्यक्रम में कथावाचक महाराज ने हिमालय पर आयोजित इस दिव्य विवाह की कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार देव-दानव, यक्ष-गंधर्व, सिद्ध, चरन और समस्त लोक अपने-अपने स्वरूप और वैभव के साथ इस अनोखे विवाह में सम्मिलित हुए। भगवान शिव की बारात के अद्भुत रूप—भूतझगण, नागाभूषण और महामृत्युंजय स्वरूप—ने कथा को और भी रोचक बना दिया। माता पार्वती के सौंदर्य, उनकी तपस्या और भगवान शिव के प्रति उनके समर्पण का वर्णन सुनकर भक्त भाव-विभोर हो उठे। विवाह संस्कारों का प्रतीकात्मक मंचन भी किया गया,

जिसे देखकर श्रद्धालु उत्साह से झूम उठे और हर-हर महादेव के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। आयोजकों के अनुसार, शिव विवाह का यह महोत्सव समाज में प्रेम, संतुलन, समर्पण और धैर्य की प्रेरणा देता है। अंत में प्रसाद वितरण किया गया और भक्तों ने दिव्य वातावरण में आध्यात्मिक आनंद का अनुभव किया ।इस अवसर पर मुख्य यजमान अवधेश मिश्र,मनोज वर्मा,राजेश वर्मा, बी जे पी के आशीष मिश्र,सुभाष मिश्र,राजेश मिश्र,अनुराग पाठक,पवन पाण्डेय, मनोज त्रिपाठी बाबा , मिथलेश मिश्र समेत बड़ी संख्या में भक्त गण मौजूद रहे।

इंदौर स्थित दशहरा मैदान पर राम शौर्य कथा संपन्न पर शांतनु महाराज ने भक्तों का जताया आभार

प्रणीत तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। पूज्यश्री शांतनू महाराज के व्यासत्व में मध्यप्रदेश के इंदौर के अन्नपूर्णा रोड स्थित दशहरा मैदान मे चल रहे रामकथा में अयोध्या के मानस मर्मज्ञ आचार्य शांतनु महाराज जी ने सोमवार को दशहरा मैदान स्थित रामायण वाटिका पर छबि सोशल वेलफेयर सोसायटी एवं श्री अग्रवाल समाज इंदौर फाउंडेशन को तथा इंदौर के राम भक्तों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो स्नेह व प्यार मुझे यहां पर मिला मैं आप सब का आभारी हूं। छबि सोशल वेलफेयर सोसायटी एवं श्री अग्रवाल समाज इंदौर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित श्री राम शौर्य कथा शांतनु जी महाराज ने मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम के आदर्श पर चलने से मानव को कभी दुखी नहीं होता है । 3 दिसंबर से 8 दिसंबर 2025 तक प्रति दिन अपराह्न 3 से शाम 6 बजे तक यह आयोजन समिति की ओर से प्रमुख आयोजक गोपाल गोयल , प्रमुख

संयोजक किशोर गोयल , संजय बॉकड़ा , संदीप गोयल , गोविंद मोरनी , शिव जिंदल , कुणाल अग्रवाल के सानिध्य में कथा स्थल पर गुजरात के कलाकारों द्वारा 13 फीट ऊंची शिवलिंग का भक्तों द्वारा जला अभिषेक किया जा रहा था , तत्पश्चात राम कथा सुनने के लिए जाते थे ।शांतनु महाराज ने रामकथा गायन करते हुए आवाहन किया कि सनातन धर्म को बचाने के लिए हिंदूओं को एकजुट होकर कार्य करना होगा ।अभी हाल में ही बंगाल की मुख्य मंत्री ने बाबरी मस्जिद का निर्माण करने का अध्यादेश जारी किया है। शांतनु महाराज ने कहा कि यदि मस्जिद ही बनाना है तो वैज्ञानिक अब्दुल कलाम या अब्दुल हमीद के नाम से बनाया जाना चाहिए। हिंदूओं से अपील किया है कि जातिपांति से ऊपर उठकर विरोध करना चाहिए। इंदौर के दशहरा मैदान उमड़ी भक्तों की भीड़ को देखकर भावुक हो गये ।राम शौर्य कथा के समापन पर भक्तों के लिए महाप्रसाद का आयोजन किया गया था। कथा के संदेश को श्रोताओं को निवेदित करते हुए कहा कि,श्रेष्ठ की उपस्थिति में ही नही उनकी अनुपस्थिति में स्वयं को अनुशासन मे रखना चाहिए। शांतनु महाराज ने कहा कि,सतगुण उपासक को मोक्ष की कामना कभी नही करना चाहिए। प्रेम के सर्वोच्च स्थिति का नाम है रती है और हमें भी इसी भाव में प्रेम-भक्ति करना चाहिए। प्रेम करने वाले को अपने प्रेमी से प्रेम की अपेक्षा नही करनी चाहिये ।

कांग्रेस के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाड़ा का भव्य स्वागत

साणडेराव- कांग्रेस पार्टी के नव नियुक्ति जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाड़ा ने शपथ ग्रहण के उपरांत बसंत गांव पहुंचने पर बसंत गांव के समाज सेवी आदर्श परिवार के घनश्याम पुरोहित के नेतृत्व में गणमान्य नागरिकों व पार्टी से जुड़े कार्यकताओं ? ने गाजों बाजों व ढोल-ढमाकों के साथ जोरदार स्वागत करते हुए साफा पहनाकर फुल मालाओं के साथ स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में उपस्थिति जनसभा को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह ने कहा की इस देश को जिस पार्टी ने आजादी दिलाई हम सब उस पार्टी के वफादार सिपाही है और हम सभी लोग मिलकर समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के भी उत्थान हेतु हर संभव प्रयास करते हुए, मजदूर, किसान, छात्र, युवा, नौवजवान, साथियो के साथ आम नागरिकों के हितो की रक्षा हेतु कटि बद्ध है। शिशुपाल सिंह ने कहा कि केंद्र की बीजेपी सरकार निर्वाचन आयोग पर दबाव डालकर बड़े पैमाने पर वोट चोरी करवा रही है, जो देश के लिए बड़ा धोखा है। हम सभी कांग्रेस के कार्यकर्ता इस प्रकार के वोट चोरी और देश के साथ धोखाधड़ी के खिलाफ 14 दिसंबर को देशब्यापी रैली का आयोजन दिल्ली के रामलीला मैदान मे आयोजित किया गया है, इस वोट चोरी को रोकने और केंद्र सरकार के काले कारनामो को जनता के सामने लाने के लिए आयोजित रैली मे हम सभी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करके फिर से इस देश को वोट चोरो से आजाद करवाने का कार्य करेंगे ।कार्यक्रम मे पूर्व प्रधान व वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुमेर सिंह राणावत खिमाडा, पूर्व सरपंच नारायण सिंह कोसेलाव, ललित परिहार, महेश परिहार, करण सिंह मेड़तिया चणोद, नरेश भाई खिंदारा गांव, इंद्र भाई वालिया, दिलीप सिंह सुमेरपुर, नगर अध्यक्ष सुभाष मेवाड़ा, पाली अध्यक्ष हिंगड़, पूर्व सरपंच संघ अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता सुमेर सिंह आकदरा मनवार, जितेंद्र सिंह नेतरा सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थिति रहे ।कार्यक्रम मे बसंत गांव के दिलीप सिंह, मंगल सिंह, अशोक सिंह, देवी सिंह, मगन भाई, राम सिंह, भेरू सिंह, चंपा लाल, देवी सिंह पाटवी, भवानी सिंह, भरत सिंह, राम सिंह, सूरजमल, तेजाराम, छगना राम, नारायण पुरोहित सहित ग्रामवासी उपस्थिति रहकर स्वागत किया और 14 दिसंबर को दिल्ली रैली मे चलकर रैली को सफल बनाने का आश्वाशन दिया ।